RNI : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-01 ● अंक- 104 ● भिलाई, रविवार 26 अक्टूबर 2025 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

खबर संक्षेप

राज्य स्थापना दिवस 1 नंवबर को शैक्षणिक संस्थानों में रहेगी छुट्टी

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर एक नवंबर को सभी शैक्षणिक संस्थानों के लिए अवकाश घोषित किया गया है। जीएडी ने इस संबंध में आदेश जारी कर दिया है। सामान्य प्रशासन विभाग की ओर से जारी आदेश के अनुसार, एक नवंबर 2025, दिन-शनिवार को राज्य स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में छत्तीसगढ़ राज्य के समस्त शैक्षणिक संस्थानों के लिए स्थानीय /सामान्य अवकाश घोषित किया गया है।

नायडू ने दिल्ली हवाई अड्डे पर टर्मिनल-2 का किया उद्घाटन

नयी दिल्ली। नागरिक उड्डयन मंत्री किंजरापू राममोहन नायडू ने शनिवार को दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय

हवाई अड्डे पर आधुनिकीकृत और पुनर्निर्मित टर्मिनल-2 का उद्घाटन किया। इस टर्मिनल पर छह महीने के अंतराल के बाद 25-26 अक्टूबर की रात से उड़ानें दोबारा शुरू हो रही हैं। इसे मरम्मत और आधुनिकीकरण के लिए अप्रैल में बंद कर दिया गया था। उद्घाटन के मौके पर नागरिक उड्डयन मंत्रालय, नागरिक उड्डयन ब्यूरो, भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल और दिल्ली अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा प्राधिकरण (डायल) के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

मुख्यमंत्री साय पंडवानी महासम्मेलन के समापन समारोह में हुए शामिल

पंडवानी एक ऐसी विधा है, जिसके माध्यम से छत्तीसगढ़ को विश्व में मिली पहचान: मुख्यमंत्री साय

रायपुर। पंडवानी एक ऐसी विधा है, जिसके माध्यम से छत्तीसगढ़ को पूरी दुनिया में पहचान मिली है। हमारे पंडवानी कलाकारों ने न्यूयॉर्क, पेरिस और लंदन तक महाभारत की कथाओं पर आधारित प्रस्तुतियों से लोगों को मंत्रमुग्ध किया है। उन्होंने अपनी कला के माध्यम से न केवल छत्तीसगढ़ की परंपरा को जीवित रखा है, बल्कि भारतीय संस्कृति की आत्मा को वैश्विक मंचों तक पहुँचाया है। पंडवानी हमारी लोक चेतना, नारी सशक्तिकरण और सांस्कृतिक गौरव का प्रतीक बन चुकी है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय अंतर्राष्ट्रीय कलाकार दिवस के अवसर पर दुर्ग जिले के ग्राम मेड़ेसरा में आयोजित पंडवानी महासम्मेलन के समापन समारोह को संबोधित करते हुए यह बात कही।

छत्तीसगढ़ शासन संस्कृति विभाग रायपुर के सौजन्य से आयोजित इस कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री अरुण साव, अनुसूचित जाति विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष एवं अहिवारा विधायक डोमनलाल कोर्सेवाड़ा, छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण एवं अन्य पिछड़ा वर्ग क्षेत्र विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष एवं दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर, साजा विधायक ईश्वर साहू, राज्य तेलघानी बोर्ड के अध्यक्ष जितेंद्र साहू, पूर्व मंत्री रमशीला साहू एवं जागेश्वर साहू, पूर्व विधायक लाभचंद बाफना एवं डॉ. दयाराम साहू, जिला पंचायत दुर्ग की अध्यक्ष सरस्वती बंजारे तथा दुर्ग नगर निगम की महापौर अलका बाघमार

भी उपस्थित थीं। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि आज मुझे पंडवानी के पुरोधा स्वर्गीय झाड़ूराम देवांगन जी की स्मृति भी हो रही है। जब वे हाथ में तंबूरा लेकर प्रस्तुति देते थे, तो दर्शक मंत्रमुग्ध हो जाते थे। पंडवानी गायन में महिला कलाकारों की विशेष सफलता उल्लेखनीय रही है। मुझे स्वर्गीय लक्ष्मी बंजारे जी का भी स्मरण हो रहा है। यह छत्तीसगढ़ का सौभाग्य है कि हमारी धरती पर तीजन बाई जैसी विभूति हुईं, जिन्हें पद्मश्री, पद्मभूषण और पद्मविभूषण तीनों सम्मान प्राप्त हुए हैं। जब वे तंबूरा लेकर आलाप भरती हैं, तो ऐसा लगता है मानो आकाश के देवी-देवता भी उन्हें सुन रहे हों। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि मैंने अनेक अवसरों पर तीजन बाई जी की पंडवानी सुनी है। श्याम बेनेगल की भारत एक खोज में उनका पंडवानी गायन दृश्य मन को आनंद और उत्सुकता से भर देता है। पद्मडॉ. उषा बारले जी हमारे बीच उपस्थित हैं, जिन्होंने अपने अद्भुत पंडवानी गायन से सभी श्रोताओं को मंत्रमुग्ध किया है।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि पंडवानी हमारी अमूल्य धरोहर है। आज इस महासम्मेलन के आयोजन के माध्यम से आप सभी ने इस धरोहर को सहेजने और आने वाली पीढ़ियों तक पहुँचाने का अत्यंत सराहनीय कार्य किया है। उन्होंने कहा कि हम लोगों ने बचपन में रामलीला मंडलियों के माध्यम से रामायण की कथाएं और पंडवानी के माध्यम से महाभारत की कथाएं सुनीं। पीढ़ी दर पीढ़ी इन लोककलाकारों ने रामायण और महाभारत जैसी महान कथाओं को जन-जन तक पहुँचाया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पंडवानी गायन इस मायने में भी अद्वितीय है कि इसमें स्त्री-पुरुष का कोई भेद नहीं है।

तीजन बाई और डॉ. उषा बारले जैसी कलाकारों ने अपनी प्रतिभा से यह साबित किया है कि यह विधा महिलाओं के कौशल और संवेदनशीलता की प्रतीक है।

छठ महापर्व देता है सामाजिक सद्भाव की प्रेरणा: पीएम मोदी

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज से शुरु हुए चार दिवसीय छठ महापर्व पर देशवासियों को शुभकामनाएं दी हैं और कहा है कि सादगी और संयम का प्रतीक यह पर्व सामाजिक सद्भाव की प्रेरणा देता है।

मोदी ने शनिवार को 'एक्स' पर एक पोस्ट में लिखा, नहाय-खाय के पावन अनुष्ठान के साथ आज से चार दिवसीय महापर्व छठ का शुभारंभ हो रहा है। बिहार सहित देशभर के श्रद्धालुओं को मेरी हार्दिक शुभकामनाएं। सभी व्रतियों को मेरा नमन और वंदन। प्रधानमंत्री ने कहा कि हमारी संस्कृति का यह विराट उत्सव सादगी और संयम का प्रतीक है, जिसकी पवित्रता और नियम-निष्ठा अतुलनीय है। इस पावन अवसर पर छठ के घाटों पर जो दृश्य दिखाई देता है उसमें पारिवारिक बंधन और सामाजिक सद्भाव की अद्भुत प्रेरणा होती है। छठ की प्राचीन परंपरा का हमारे समाज पर बहुत गहरा प्रभाव रहा है।

डबल इंजन सरकार की 12000 ट्रेनों की व्यवस्था की खुल गई पोल : राहुल

नयी दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा है कि रेल मंत्री ने त्योहारी सीजन में 12000 विशेष ट्रेनें चलाने की बात कही थी लेकिन ठसाठस भरी और अमानवीय सफर ने डबल इंजन सरकार की पोल खोल कर रख दी है। गांधी ने शनिवार को सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि बिहार के लोगों के लिए त्योहारी सीजन में घर लौटना घर, परिवार और गांव से अपनेपन की लालसा का प्रतीक है लेकिन उनके लिए अपने घर जाना एक बड़ा संघर्ष बन गया है।

ईओडब्ल्यू के अधिकारियों के खिलाफ कांग्रेस नेता गिरीश देवांगन की याचिका पर सुनवाई

रायपुर। ईओडब्ल्यू के अधिकारियों के खिलाफ 164 के बयान में छेड़छाड़ के संबंध में अदालत में लगाई गई याचिका पर आज मजिस्ट्रेट बेग की अदालत में सुनवाई होगी। कांग्रेस नेता गिरीश देवांगन द्वारा दायर याचिका पर दलील देने के लिए दिल्ली से तीन वकील आज रायपुर पहुंच रहे हैं। इस मुद्दे को पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और अन्य वरिष्ठ नेताओं ने प्रेस कांफ्रेंस उठाया था।

बता दें कि पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने शनिवार को ईओडब्ल्यू और एसीबी पर न्यायिक प्रक्रिया की मर्यादा को तोड़ते हुए अभियुक्तों के खिलाफ झूठे साक्ष्य और बयान गढने का आरोप लगाया था। उन्होंने इसे लोकतंत्र के लिए गंभीर खतरा बताते हुए इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की थी।

भूपेश बघेल ने मीडिया को बताया कि सीआरपीसी की धारा 164, जो अब बीएनएस की धारा 183 के रूप में लागू है। इसके तहत मजिस्ट्रेट के सामने अभियुक्तों के बयान कलमबद्ध किए जाते हैं, और यह बयान पूरी तरह गोपनीय माने जाते हैं। लेकिन ईओडब्ल्यू और एसीबी ने इस प्रक्रिया को दरकिनार करते हुए पहले से टाइप किए गए बयान को पेन ड्राइव में अदालत में पेश किया, जिसे अभियुक्त का वास्तविक बयान बताया गया। पूर्व मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया था कि यह षड्यंत्र कोयला घोटाले के आरोपी सूर्यकांत तिवारी की जमानत याचिका की सुनवाई के दौरान सामने आया। सुप्रीम कोर्ट में तिवारी के खिलाफ जो दस्तावेज लगाए गए, उनमें एक सह आरोपी निखिल चंद्राकर का बयान धारा 164 के तहत शामिल किया गया था।

उन्होंने कहा कि यह बयान सीलबंद रहना चाहिए था, लेकिन वह खुले रूप से अदालत में पेश किया गया, जो न्याय की मूल भावना पर सवाल उठाता है।

शराब घोटाला मामले में चैतन्य बघेल की जमानत याचिका पर फैसला

रायपुर। शराब घोटाले में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल की बेल पिटीशन पर कल शुक्रवार को सुनवाई के बाद कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया था। आज शनिवार को याचिका पर फैसला आना है। बता दें कि चैतन्य बघेल 29 अक्टूबर तक न्यायिक रिमांड में जेल भेजे गए हैं। ईडी के वकील सौरभ कुमार पांडेय ने मीडिया को बताया था कि ईडी अपनी जांच कर रही थी और यह जांच मुख्य रूप से शराब घोटाला से जुड़े हुए मामले में हो रही थी। जांच के दौरान ऐसे प्रमाण मिले जिसमें ऐसा लगा कि शराब घोटाला मामले में चैतन्य बघेल की मुख्य भूमिका रही है। जांच में यह पता चला कि प्रत्यक्ष रूप से चैतन्य बघेल ने इसमें लाभ लेने के साथ बहुत सारे पैसे की हैंडलिंग भी की है। यह रकम लगभग 1000 करोड़ के आसपास है। शराब घोटाला में लगभग 20 करोड़ का लाभ चैतन्य बघेल ने लिया है। इसी भूमिका को देखते हुए प्रवर्तन निदेशालय ने चैतन्य बघेल को गिरफ्तार किया था। शुक्रवार को चैतन्य बघेल की जमानत याचिका प्रवर्तन

निदेशालय की कोर्ट में लगाई गई थी, लेकिन इस पर सुनवाई नहीं हो पाई कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रखा है और आज शनिवार को कोर्ट अपना फैसला देगी। सौरभ पांडेय ने आगे कहा कि मनी लांड्रिंग एक्ट में जो अरेस्ट को डील करता है वह तभी किसी व्यक्ति को अरेस्ट कर सकता है जब उसके खिलाफ में कोई पुख्ता प्रमाण आएंगे। जमानत के लिए ये वो आधार ले रहे हैं कि मेरे को अभियुक्त नहीं बनाया गया। पप्पू बंसल की गवाही पर मेरे को अरेस्ट किया गया है। पप्पू बंसल के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी था। अगर इनको मनी लांड्रिंग केस में जमानत चाहिए तो मनी लांड्रिंग एक्ट की धारा 45 के राइडर को पार करना पड़ेगा। इसे पार करने में चैतन्य बघेल अक्षम हैं। कोर्ट ने दोनों पक्षों को सुना और जमानत याचिका के फैसले को सुरक्षित रख दिया। आज शनिवार को कोर्ट जमानत पर फैसला सुनाएगी। छत्तीसगढ़ शराब घोटाला मामले में प्रवर्तन निदेशालय ने छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के पुत्र चैतन्य बघेल को 18 जुलाई को गिरफ्तार किया था।

छत्तीसगढ़ ड्राइवर महासंगठन आज से बेमियादी हड़ताल पर

अन्य संगठनों ने चालकों के जबरदस्ती बंद का किया विरोध

रायपुर। प्रदेश भर में आज ड्राइवरों ने 11 सूत्रीय मांगों को लेकर मोर्चा खोल दिया है। छत्तीसगढ़ ड्राइवर महासंगठन आज शनिवार से बेमियादी हड़ताल पर हैं। प्रदेशभर में बस और मालवाहक वाहन रोके जा रहे हैं। ड्राइवर महासंगठन ने ड्राइवर आयोग, वेलफेयर बोर्ड गठन समेत 11 सूत्रीय मांगों को लेकर प्रदर्शन किया है। चालक प्रदेश के विभिन्न स्थानों में गाडियां रोक प्रदर्शन कर रहे हैं। वहीं दूसरी ओर अन्य संगठनों ने इस बंद का विरोध किया है।

हड़ताली चालकों की मुख्य मांगों में प्रदेश में पूर्ण शराबबंदी, ड्राइवर आयोग और ड्राइवर वेलफेयर बोर्ड के गठन, कमर्शियल लाइसेंस पर बीमा की व्यवस्था, दुर्घटना में मृत्यु होने पर 10 लाख रुपये और अपंगता की स्थिति में 5 लाख रुपये की सहायता राशि देने की मांग शामिल है। वहीं चालक हेल्थ कार्ड, 55 वर्ष की आयु पूरी होने पर पेंशन, ड्राइवरों के बच्चों को शिक्षा और नौकरी में आरक्षण, राज्य के सभी जिलों में ड्राइवर स्मारक निर्माण और ड्राइवरों के साथ मारपीट या लूट की घटना पर पांच वर्ष तक के कठोर दंड का प्रावधान करने जैसी मांगें भी रखी गई हैं। हड़ताली चालकों ने मीडिया से कहा कि लंबे समय मांग पत्र सौंपे जा चुके हैं, लेकिन अब तक किसी स्तर पर ठोस कार्रवाई नहीं की गई। इस कारण मजबूर होकर उन्हें सडक़ पर उतरना पड़ा है। अब उनकी मांगे पूरी नहीं होने तक उनका आंदोलन जारी रहेगा। उन्होंने कहा राजधानी रायपुर सहित पूरे प्रदेश में हड़ताल का व्यापक असर देखने को मिल सकता है, जिससे परिवहन और आपूर्ति व्यवस्था प्रभावित होने की संभावना है। वहीं दूसरी ओर अन्य संगठनों ने बंद का विरोध किया है। कोल लिफ्टर एंड ट्रांसपोर्टर वेलफेयर एसोसिएशन कोरबा ने कलेक्टर को पत्र लिखकर कहा कि कुछ चालकों के द्वारा यूनियन बनाकर हमारे चालकों से लगातार पैसा वसूली की जा रही है।

आज की जनधारा का 34वां स्थापना दिवस : संवाददाताओं और स्टाफ का हुआ सम्मान, रमेश गुप्ता को प्रदेश के स्टार रिपोर्टर का तमगा...

अटल बिहारी वाजपेयी के आदर्शों पर संगोष्ठी का भी हुआ आयोजन, वरिष्ठ जनों ने रखे अपने विचार

रायपुर। दैनिक आज की जनधारा ने अपनी स्थापना के 34 वर्ष पूरे होने पर साहित्य और पत्रकारिता से जुड़े वरिष्ठ हस्तियों की उपस्थिति में जनमंच सड्डु में स्थापना दिवस का भव्य आयोजन किया। इस अवसर पर अटल बिहारी वाजपेयी के भारतीय समाज, राजनीति और पत्रकारिता से जुड़े मूल्य विषय पर संगोष्ठी हुई। कार्यक्रम के दौरान समाचार पत्र समूह के संवाददाता व स्टाफ का सम्मान भी किया गया। संभागीय स्थानीय संपादक रमेश गुप्ता को प्रदेश का स्टार रिपोर्टर का सम्मान दिया गया। इस सम्मान के लिए आज की जनधारा समूह के प्रधान संपादक सुभाष मिश्र सहित सभी वरिष्ठ सदस्यों ने बधाई दी।

कार्यक्रम में आज की जनधारा परिवार से अमित गौतम (राजनांदगांव ब्यूरो चीफ), जितेन्द्र शुक्ला (बेमेतरा ब्यूरो चीफ)और राजेश खन्ना (मुंगेली ब्यूरो चीफ) के अलावा अखबार से जुड़े मनोज सोलंकी, अजय वर्मा, त्रिलोकी दावड़े, टेकचंद साहू मुकेश वर्मा, अजय गौतम, को सम्मानित किया गया। इसके उपरांत संगोष्ठी में पधारे सभी वक्ताओं और अतिथियों का आज की जनधारा के सीईओ सौरभ मिश्रा ने शॉल और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। आयोजन के साथ यह संदेश भी दिया गया कि पत्रकारिता तभी जीवित रहेगी, जब उसमें समाज और राष्ट्र के प्रति सेवा का भाव बना रहेगा।

इससे पहले आयोजित संगोष्ठि में भारतीय समाज, राजनीति और पत्रकारिता से जुड़े मूल्य विषय पर संगोष्ठी में डॉ. सुशील त्रिवेदी, गिरीश पंकज, भालचंद्र जोशी, शशांक शर्मा, डॉ. अनिल द्विवेदी और विकास शर्मा जैसे विशिष्ट वक्ताओं ने अपने विचार रखे। वक्ताओं ने कहा कि अटल जी ने राजनीति को सेवा का माध्यम बनाया, उनके भीतर कवि हृदय और पत्रकारिता की निर्भीकता दोनों समाहित थी। सर्वप्रथम संगोष्ठी में आज की जनधारा के प्रधान संपादक सुभाष मिश्र ने कहा कि पत्रकारिता किसी भी लोकतांत्रिक समाज की धुरी है। आज जब मीडिया की विश्वसनीयता पर

प्रश्नचिन्ह लग रहा है उस समय आज की जनधारा 34 वर्षों की लंबी साधना यात्रा पूरी कर 35वें वर्ष में प्रवेश कर रहा है। हमने स्थापित पत्रकारिता मूल्यों को बचाते हुए सच लिखने का साहस किया है।

भालचंद्र जोशी ने कहा कि देश में धर्म और जाति के गौरवगान के बीच हमें एक-दूसरे के प्रति सम्मान बनाए रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि क्षेत्रीय अखबार आज भी निर्भीकता से जनपक्षीय पत्रकारिता कर रहे हैं। विकास शर्मा ने अटल जी की मिमिक्री करते हुए उनकी कविताओं का उल्लेख करते हुए कहा कि अटल जी की टूटे मन से मैदान नहीं जीता जाता... जैसी पंक्तियां आज भी प्रेरणा देती हैं। उन्होंने अटल जी की कविता कदम मिलाकर चलना होगा का पाठ करते हुए पत्रकारिता में त्याग और धैर्य के महत्व पर बल दिया।

डॉ. अनिल द्विवेदी ने कहा कि आज की जनधारा ने 34 वर्षों तक कॉरपोरेट दबावों के बीच भी निर्भीक पत्रकारिता की मिसाल कायम की है। उन्होंने विश्वास जताया कि यह अखबार आने वाले समय में कई बड़े प्रकाशनों का रिकॉर्ड तोड़ेगा। वहीं, शशांक शर्मा ने भारतीय राष्ट्रवाद की मानवीय अवधारणा पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारत की आत्मा अध्यात्म और संस्कृति में निहित है। उन्होंने कहा कि आज की पत्रकारिता राजनीति के प्रभाव में आ गई है, उसे फिर से समाज के सकारात्मक पक्ष की ओर लौटना होगा।

डॉ. सुशील त्रिवेदी ने अटल बिहारी और दीनदयाल उपाध्याय का जिक्र करते हुए समाज में मानवीय मूल्यों के दर्शन की बात कही। उन्होंने कहा कि जैसे-जैसे राजनीतिक मूल्यों में पतन हुआ उसी के साथ ही पत्रकारिता भी पतन के रास्ते पर चल पड़ी। आज कोई भी अखबार सामाजिक समरसता और समाज से जुड़ी अच्छी खबरों को प्रकाशित नहीं करता। अच्छी खबरों की जगह अखबारों में विध्वंस और वाणिज्य ने अपनी जगह बना ली है।

अंत में गिरीश पंकज ने कबीर के दोहे से निदंक नियरै राखिए... के जरिए पत्रकारिता और राजनीति पर अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि जब पत्रकार को कोई पुलिस वाला चाय पिलाना शुरु कर देता है वहीं से पत्रकार का नैतिक पतन शुरू हो जाता है। उन्होंने भी मीडिया में बढ़ रहे कार्पोरेट दखल को पत्रकारिता के पतन का रास्ता बताया। संगोष्ठी के पश्चात् अटल जी पर केंद्रित विशेषांक भारतीय राष्ट्रवाद के मानवीय चेहरे का विमोचन किया गया। कार्यक्रम में जम्मू कश्मीर से आए एक्टर-डायरेक्टर लक्की गुप्ता ने 'मां मुझे टैगोर बना दे की नाट्य प्रस्तुति भी दी।

देवारी तिहार लोक संस्कृति, आस्था और कृषि का पर्व : राजेन्द्र शर्मा

बेमेतरा। भारतीय जनता पार्टी के पूर्व जिलाध्यक्ष राजेन्द्र शर्मा देवारी तिहार में शामिल हुए उन्होंने ग्रामीण जनों के साथ उत्साहपूर्वक त्यौहार का आनन्द लिया इस अवसर पर राजेन्द्र शर्मा ने कहा छत्तीसगढ़ के पारंपरिक पर्व देवारी तिहार (मातर पर्व) के अवसर पर प्रदेशवासियों को शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने कहा कि यह पर्व छत्तीसगढ़ की लोकसंस्कृति, आस्था और कृषि परंपरा का जीवंत प्रतीक है। राजेन्द्र शर्मा ने कहा कि देवारी तिहार या गोवर्धन पूजा किसानों और पशुपालकों के जीवन से जुड़ा हुआ त्यौहार है। इस दिन ग्रामीण अपने पशुधन और कृषि उपकरणों की पूजा-अर्चना कर प्रकृति और मेहनत का आभार व्यक्त करते हैं। यह पर्व हमें श्रम, सहयोग और भाईचारे का संदेश देता है। उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ के गाँवों में इस अवसर पर मातर दल पारंपरिक ढोल-नगाड़ों की थाप पर देवारी गीत गाते हुए घर-घर जाकर सुख-समृद्धि की शुभकामनाएँ देते हैं। ग्रामीण उनके स्वागत में धान, गुड़ और नारियल भेंट कर उनका सम्मान करते हैं। पूरा वातावरण लोकगीतों और नृत्य से उल्लासित हो उठता है। राजेन्द्र शर्मा ने कहा कि आज के आधुनिक युग में भी देवारी तिहार जैसी परंपराएँ हमें हमारी जड़ों से जोड़े रखती हैं। यह पर्व हमारे ग्रामीण जीवन, प्रकृति और संस्कृति की एकता का प्रतीक है। उन्होंने प्रदेशवासियों से आग्रह किया कि सभी लोग इस पावन पर्व को एकता, प्रेम और सदभाव के साथ मनाएँ। अंत में उन्होंने कामना की कि देवारी तिहार सभी के जीवन में सुख, समृद्धि और मंगल लाए तथा छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक पहचान सदा प्रगाढ़ बनी रहे।

महात्मा गांधी नरेगा योजना से निर्मित पशु शेड गौ पालक रामफल के लिए बना आमदनी का जरिया

गौवंश को सुरक्षित रखने के साथ व्यवसाय को बढ़ाने का मिला मौका, पशु शेड के निर्माण से संपन्न हो रहे हितग्राही

कवर्धा। सुविधा एवं साधन विहीन ऐसे हितग्राही जो जीवन में आगे बढ़ने की ललक रखते है उनके लिए सफलताओं का मार्ग भी प्रशस्त होता है। व्यवसाय करने के लिए शासकीय योजनाओं से जुड़कर सफलता के द्वार खुलते है और लक्ष्य की प्राप्ति तब और सूखद अनुभव में परिलक्षित होता है जब मन चाहा काम पूरा हो जाता है। ऐसी ही कहानी है जिले के विकासखंड पंडरिया के ग्राम पंचायत चारभाठाखुर्द के हितग्राही रामफल पिता विश्राम की। महात्मा गांधी नरेगा योजना में दैनिक मजदूरी से अपना जीवन-यापन करने वाले रामफल का सपना छोटा सा व्यवसाय करने का था। गौ पालक बनकर आगे बढ़ने की इच्छा थी लेकिन संसाधनों की कमी आड़े आ रही थी। समस्याओं का समाधान महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना से निकला। जिसमें पशु शेड का निर्माण करने से व्यवसाय ने गति पकड़ी और बढ़ती आमदनी से जीवन आसान हो गया। पशु शेड बन जाने से गौ माता को सभी मौसमों में सुरक्षित रखने की सुविधा अलग से मिल गई। पशु शेड नहीं होने से अनेकों परेशानियां थी जिसमें प्रमुख रूप से सभी मौसमों से पशुधन को बचाना। खुले में पशुधन रहने के कारण यहा वहां चले जाना, किचड़ एवं गंदगी के कारण गायों को होने वाली बिमारियां और साथ ही इस पर होने वाले खरचो की परेशानी बनी रहती थी। पशु शेड़ बनने के पहले शुरूआत में आमदनी कम हुआ करती थी और पशुधन के देखरेख में ज्यादा पैसे खर्च हो जाते थे। इन सभी समस्याओं का समाधान पशु पालन शेड निर्माण के रूप में स्थायी तौर पर हो गया। हितग्राही रामफल को अपने पंचायत से पता चला कि महात्मा गांधी नरेगा योजना की सहायता से उनके पशुधन के लिए पक्का शेड निशुल्क बनाया जा सकता है। फिर क्या था उनकी मांग एवं समस्याओं को देखकर ग्राम पंचायत ने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के द्वारा इसका हल निकाला। पंचायत ने प्रस्ताव पारित कर पशु शेड निर्माण कार्य 68500 रूपए राशि से स्वीकृत कराया गया। स्वीकृति पश्चात् माह अक्टुबर 2023 को पशु शेड निर्माण प्रारंभ किया गया। कार्य प्रारंभ होने पर ऐसा लगा जैसे व्यवसाय में आगे बढ़ने का रास्ता खुल गया हो। देखते ही देखते लगभग एक माह के अल्प समय में निर्माण कार्य पूरा हो गया। पशु शेड निर्माण में स्वंय हितग्राही को 48 दिवस का रोजगार मिला साथ ही 12 मानव दिवस का रोजगार सृजन करते हुए अन्य परिवारो सहित सभी ग्रामीणों को मजदूरी के रूप में 7 हजार 5 सौ रूपए प्राप्त हुए।

कार्य का परिणाम

पशुशेड का महत्व रामफल बहुत अच्छे से जानते थे क्योंकि यही वह जगह है जो उनके व्यवसाय को समय के साथ आगे बढ़ाने में प्रमुख योगदान देकर आजिविका को आगे बढ़ाने का सपना सच होता दिख रहा है। पक्का एवं हवादार पशु शेड बन जाने से व्यवसाय में प्रगति हो रहीं है। 3 से 4 हजार रूपए प्रतिमाह की आमदनी दुध बेचकर होने लगा साथ मे घर के लिए भी दूध मिल रहा है। सारा व्यवसाय अपने घर से संचालित करने की खुशी अलग से।आजीविका के नए साधन बन जाने से परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत हो रही है और समाज में प्रतिष्ठा बढ़ रही है। आमदनी परिवार के बहुत काम आ रहा है। जिसमें छोटी सी 2 एकड़ के खेतीहर भूमि में उपयोग कर कृषक कार्य कर रहें और अलग से आमदनी का स्त्रोत बन रहा है।

हितग्राही के अनुभव

हितग्राही रामफल अपना अनुभव साझा करते हुए बताया कि पशुशेड बनाने के पूर्व अपने पशुओं को सुरक्षित रखने की बहुत चिंता रहती थी। खुले में पशुधन को बरसात के दिनों में पानी से बचाने एवं सर्दी के दिनों में ठण्ड से बचाना बड़ी समस्या था। आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण पशुशेड नही बन पा रहा था। रोजगार गारंटी योजना से मेरी सभी चिन्ताएं दूर हो गई और अब पशुधन के सुरक्षा की चिन्ता नही रही। पशुधन से होने वाली आमदनी गौसेवा में लगा रहा हूं और साथ ही अपने व्यवसाय को आगे बढ़ने के लिए और अधिक गाय पालने में समर्थ हो गया हूं।

नवाचार और स्टार्टअप को मिलेगा राज्य स्तरीय मंच, आवेदन की अंतिम तिथि 29 अक्टूबर तक

कवर्धा। रजत महोत्सव वर्ष 2025 के उपलक्ष्य में वाणिज्य एवं उद्योग विभाग, छत्तीसगढ़ शासन के अंतर्गत स्टार्टअप छत्तीसगढ़ द्वारा 'छत्तीसगढ़ आइडियाथॉन 2025 स्टार्टअप पिचेस एवं एवार्ड्स इवेंट' का शुभारंभ किया जा रहा है। इस पहल का उद्देश्य राज्य के विभिन्न विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों, पॉलीटेक्निक, आईटीआई, लाइवलीहुड कॉलेजों के विद्यार्थियों सहित जमीनी स्तर के नवप्रवर्तकों, युवाओं, महिलाओं और स्टार्टअप्स को अपने अभिनव विचारों को प्रस्तुत करने के लिए एक राज्य स्तरीय मंच उपलब्ध कराना है। प्रतियोगिता के लिए ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 29 अक्टूबर निर्धारित की गई है। पंजीकरण के लिए ऑनलाइन लिंक उक्त तिथि तक सक्रिय रहेगा। प्रतिभागियों के चयन के उपरांत श्रेष्ठ 5 छात्र विचारों एवं स्टार्टअप्स को राज्योत्सव 2025 में सम्मानित किया जाएगा। इस प्रतियोगिता में 51,000 तक का पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। आयोजन का उद्देश्य राज्य में नवाचार, उद्यमिता और स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र को प्रोत्साहित करना है ताकि युवा अपने विचारों को व्यवहारिक उद्यम में परिवर्तित कर सकें।

रहस्य में लिपटी मौत : कबीरधाम के पोड़ी में बरामद हुई सड़ी-गली लाश, जांच में जुटी पुलिस

कवर्धा। बोडला विकासखण्ड के पोड़ी गांव में उस समय सनसनी फैल गई जब एक मकान से तीन दिन पुरानी सड़ी-गली लाश बरामद हुई। घर से दुर्गंध आने पर ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद मौके पर पहुंची टीम ने दरवाजा तोड़कर अंदर प्रवेश किया। अंदर एक युवक का शव सड़ी अवस्था में पड़ा मिला। मृतक की पहचान लोरमी निवासी संतोष यादव के रूप में हुई है, जो पोड़ी में एक दुकान पर काम करता था। प्रारंभिक जांच में पुलिस का अनुमान है कि उसकी मौत लगभग 21 अक्टूबर को हुई थी। तब से शव मकान के अंदर पड़ा रहा और किसी को भनक तक नहीं लगी। घटनास्थल पर पहुंची एफएसएल टीम ने साक्ष्य एकत्र किए हैं। पुलिस ने शव का पंचनामा कर मर्च्यूरी भेज दिया है। फिलहाल मौत का कारण स्पष्ट नहीं है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही रहस्य से पर्दा उठेगा। स्थानीय लोगों के अनुसार मृतक पिछले कुछ दिनों से नजर नहीं आ रहा था। वहीं पुलिस का कहना है कि हत्या, आत्महत्या या हादसा– सभी पहलुओं पर जांच की जा रही है। घटना से पूरे पोड़ी गांव में दहशत का माहौल है, लोग अब भी स्तब्ध हैं कि आखिर संतोष यादव की मौत किन परिस्थितियों में हुई।

दिवाली की आड़ में जुए का जाल : पुलिसिंग पर सवाल जुए पर लगाम लगाने ताबड़तोड़ कार्रवाई की दरकार

मेहनत की कमाई दांव पर लगा रहे अंचल के युवा वर्ग

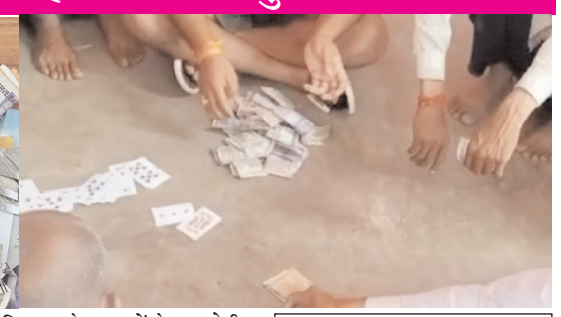

डोंगरगांव नगर। नगर सहित अंचल में दिवाली त्यौहार के आड़ में जुए का अवैध कारोबार तेजी से पाँव पसार रहा है। जुए के जाल में ताश के पत्तों पर लाखों रुपए के दांव लगाए जा रहे हैं, जिसमें स्थानीय युवाओं के साथ बाहरी लोगों की भी बड़ी संख्या में भागीदारी देखी जा रही है। विश्वसनीय सूत्रों की माने तो राजनीति से जुड़े कुछ नामो के द्वारा कथित नाल लेकर जुआ खेलाया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि नगर के कई हिस्सों में दीपावली से पहले से ही ताश की महफिलें सजी हुई है। स्थानीय लोगों को इन अड्डों की जानकारी होने के बावजूद अब तक पुलिस की ओर से किसी ठोस कार्रवाई की खबर नहीं है। पुलिस की निष्क्रियता के कारण जुआरियों के हौसले बुलंद हैं। हर साल की तरह इस बार भी दिवाली की चमक के बीच रात के अंधेरे में लाखों रुपए के दांव लगाए जा रहे हैं। कई स्थानों पर प्रतिदिन भारी रकम का लेनदेन हो रहा है, जिससे यह अवैध कारोबार कानून व्यवस्था के लिए नई चुनौती बन गया है। सूत्रों ने बताया कि जुए का सर्वाधिक दुष्प्रभाव युवा वर्ग पर देखा जा रहा है। रातों-रात अमीर बनने की चाह में युवक अपनी मेहनत की कमाई को ताश के पत्तों में दांव पर लगा रहे हैं, हालांकि अंत में उनके हाथ निराशा ही लगती है। पहले भी पुलिस ऐसे जगहों पर दबिश देती रही है, लेकिन उसके जाल में केवल छोटी मछलियाँ ही फँसती हैं, जबकि बड़े जुआरियों तक शिकंजा नहीं पहुँच पा रहा है। दरअसल ताश के 52 पत्तों के फेर में कई घरों की खुशियाँ जरूर बिखर गई हैं। जुए का जाल न केवल समाज के लिए बल्कि कानून व्यवस्था के लिए भी गंभीर खतरा बन गया है। आखिर पुलिस की पकड़ से बड़े नाम क्यों बाहर हैं? सुधिजनों के मध्य पुलिसिंग को लेकर सवालिया निशान लग गए हैं।

इन स्थानों पर लगता है फड़

नगर के नर्सरी भदेरा इलाका, कालेज के पीछे हिस्से, नदी किनारे, मुक्तिधाम के इर्द गिर्द, नगर के आउटर स्थित रेत खदानों सहित नगर व अंचल के कुछ नामी कृषि फार्म हाउसों में जुए की महफिल सजने की खबरें है। पुलिस को ऐसे स्थानों में मौजूदगी दर्ज कराने के साथ कार्रवाई करने की दरकार है।

विशेष गहन पुनरीक्षण' की तैयारियों पर मुख्य निर्वाचन अधिकारियों के सम्मेलन का समापन

कवर्धा। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा आयोजित मुख्य निर्वाचन अधिकारियों का दो दिवसीय सम्मेलन आज नई दिल्ली स्थित इंडिया इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फॉर डेमोक्रेसी एंड इलेक्टोरल मैनेजमेंट में संपन्न हुआ। सम्मेलन की अध्यक्षता मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने की। इस अवसर पर निर्वाचन आयुक्त डॉ. सुखबीर सिंह संधू एवं डॉ. विवेक जोशी भी उपस्थित रहे। देश के सभी राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों ने इस सम्मेलन में भाग लिया। सम्मेलन का मुख्य उददेश्य आगामी 'विशेष गहन पुनरीक्षण की तैयारियों को अंतिम रूप देना था। आयोग के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा एसआईआर प्रक्रिया से संबंधित विस्तृत प्रस्तुतीकरण दिया गया। इसके पश्चात मुख्य निर्वाचन अधिकारियों द्वारा उठाए गए प्रश्नों और सुझावों पर विस्तृत चर्चा कर आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया गया। आयोग ने पूर्व में जारी निर्देशों की प्रगति की समीक्षा की, जिसमें राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों को वर्तमान मतदाताओं की संख्या का मिलान पिछले एसआईआर के आंकड़ों से करने के निर्देश दिए गए थे। इसके अतिरिक्त आयोग ने आगामी चुनाव वाले राज्यों असम, तमिलनाडु, पुदुचेरी, केरल और पश्चिम बंगाल के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों के साथ पृथक रूप से चर्चा की और तैयारियों की समीक्षा की। यह सम्मेलन 10 सितंबर 2025 को आयोजित एसआईआर तैयारी सम्मेलन की अनुवर्ती कार्रवाई के रूप में संपन्न हुआ। उस सम्मेलन में सभी राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों ने अपने-अपने क्षेत्रों में पिछले पूर्ण हुए एसआईआर के अनुसार मतदाताओं की संख्या, अर्हता तिथि एवं मतदाता सूची पर विस्तृत प्रस्तुति दी थी।

अनुसूचित जाति के मेधावी विद्यार्थियों के लिए 'श्रेष्ठ योजना' के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 30 अक्टूबर

कवर्धा। अनुसूचित जाति के मेधावी विद्यार्थियों को देश के सर्वश्रेष्ठ निजी आवासीय विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से भारत सरकार की श्रेष्ठ योजना (लक्षित क्षेत्रों के उच्च विद्यालयों में छात्रों के लिए आवासीय शिक्षा योजना श्रेष्ठ) के तहत आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। आवेदन की अंतिम तिथि 30 अक्टूबर 2025, शाम 5 बजे निर्धारित की गई है। इस योजना के अंतर्गत प्रतिवर्ष राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) द्वारा आयोजित राष्ट्रीय प्रवेश परीक्षा के माध्यम से कक्षा 9 और 11 में प्रवेश के लिए 3000 नए विद्यार्थियों का चयन किया जाता है, जो कक्षा 12वीं तक की शिक्षा पूरी करते हैं। स्कूलों का आबंटन योग्यता और विद्यार्थियों की प्राथमिकता के आधार पर ऑनलाइन काउंसिलिंग के माध्यम से किया जाता है। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय द्वारा वर्ष 2022-23 से संचालित यह योजना राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठित निजी आवासीय विद्यालयों के माध्यम से अनुसूचित जाति वर्ग के विद्यार्थियों को कक्षा 9वीं एवं 11वीं में प्रवेश का अवसर प्रदान करती है। इसके लिए राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी द्वारा राष्ट्रीय प्रवेश परीक्षा (श्रेष्ठ) का आयोजन किया जाता है। आगामी परीक्षा दिसंबर 2025 में संभावित है। श्रेष्ठ योजना के अंतर्गत प्रत्येक वर्ष सर्वोत्तम निजी आवासीय विद्यालयों का चयन का मापदंड ऐसे विद्यालय हैं जो न्यूनतम पाँच वर्षों से सतत रूप से संचालित हों, पिछले तीन वर्षों में कक्षा 10वीं एवं 12वीं की परीक्षाओं में कम से कम 75 प्रतिशत या उससे अधिक उत्तीर्णता दर प्राप्त कर चुके हों, तथा जिनके पास कक्षा 9वीं और 11वीं में अतिरिक्त रूप से कम से कम 10 अनुसूचित जाति विद्यार्थियों को समायोजित करने हेतु आवश्यक एवं उपयुक्त बुनियादी सुविधाएँ उपलब्ध हों।

मंडी प्रांगण में निःशुल्क तनावमुक्ति एवं मेडिटेशन अनुभूति शिविर

बेमेतरा। बेमेतरा शहर मंडी प्रांगण में निःशुल्क तनावमुक्ति एवं मेडिटेशन अनुभूति शिविर गुड बाय टेंशन अलविदा तनाव जियो जिंदगी टेंशन फ्री आध्यात्मिक कार्यक्रम मंगलवार 28 अक्टूबर से बुधवार 5 नवंबर तक होने जा रहा है जिसका समय शाम 7 बजे से 8:30 बजे तक मंडी प्रांगण में प्रतिदिन उत्सव का वातावरण रहेगा। जिसमे प्रमुख विषय तनाव मुक्त जीवन की औषधि, आध्यात्मिक सहारा से कैसे आध्यात्मिक जीवन शैली अपनाएं कैसे डायबिटीज, ब्लडप्रेशर, डिप्रेशन, ह्रदय रोग, एवं तनाव दूर भगाएं, मंडी प्रांगण में नौ दिवसीय हैप्पीनेस प्रोग्राम के पहले दिन चिंता रहित जीवन शैली, दूसरे दिन आओ करें खुशियों से मुलाकात (खुशियों का उत्सव), तीसरे दिन स्वयं की पहचान (आत्म ज्ञान), चौथे दिन गहन ईश्वरीय अनुभूति (आनंद

उत्सव), पांचवें दिन सुखी जीवन का रहस्य (परिवर्तन उत्सव), छठवें दिन मेडिटेशन द्वारा सर्व समस्याओं का समाधान (ध्यान उत्सव), सातवें दिन अलौकिक जन्म उत्सव, आठवें दिन वर्ल्ड ड्रामा का रहस्य (समय की पहचान) (महा विजय उत्सव), नौवें दिन परमात्मा के महावाक्य मुरली (गुड बाय टेंशन उत्सव) यहाँ प्रत्येक दिन मेडिटेशन की गहन अनुभूति कराई जाएगी। आजकल बहुत लोगों में डिप्रेशन लगातार उदास या निराश रहना, कार्यों में रुचि खत्म होना, लगातार उदासी, निराशा और खालीपन महसूस होना, चिड़चिड़ापन और गुस्सा आना, नींद न आना, थकान या ऊर्जा की कमी होती जा रही है इस समस्या का सम्पूर्ण समाधान इस हैप्पीनेस प्रोग्राम में मिलने वाला है। यह एक वैश्विक कार्यक्रम है जो शिक्षा, नेतृत्व और सामाजिक प्रभाव जैसे विषयों पर केंद्रित है। बी के शशि दीदी ने पुरे बेमेतरा जिला वासियों को सादर निमंत्रण देते हुए बताया कि आजकल बहुत लोगों में डिप्रेशन लगातार उदास या निराश रहना, कार्यों में रुचि खत्म होना, लगातार उदासी, निराशा और खालीपन महसूस होना, चिड़चिड़ापन और गुस्सा आना, नींद न आना, थकान या ऊर्जा की कमी होती जा रही है इस समस्या का सम्पूर्ण समाधान इस हैप्पीनेस प्रोग्राम में मिलने वाला है। इस प्रोग्राम में खुशी का त्योहार जैसा आनंद का उत्सव, उल्लास और खुशी मनाई जाएगी, प्रतिदिन आनंद और खुशी का जश्न मनाया जायेगा। इस उत्सव में लोक संगीत, नृत्य, नाटक, खेलकूद और अन्य पारंपरिक कार्यक्रम शामिल हैं। इस प्रोग्राम की खुशी की टॉपिक छात्रों को उनकी भावनाओं, विचारों, व्यवहार और स्वयं पर, परिवार, आसपास के समाज और प्राकृतिक वातावरण पर उनके प्रभाव के बीच संबंधों पर विचार करने में सक्षम बनाएंगी। सभी टॉपिक सार्वभौमिक है और सभी उम्र के अनुसार डिज़ाइन किया गया है। इस निःशुल्क हैप्पीनेस प्रोग्राम में आप सभी बेमेतरा जिला वासी सपरिवार सादर आमंत्रित हैं।

मोहभट्ठा में लक्ष्मी पूजा उत्सव में शामिल हुए विधायक दीपेश साहू

बेमेतरा। दीपावली के पावन अवसर पर बेमेतरा विधानसभा क्षेत्र के ग्राम मोहभट्ठा कोदवा में जय बजरंग लक्ष्मी उत्सव परिवार द्वारा भव्य रूप से आयोजित माँ लक्ष्मी पूजन कार्यक्रम में विधायक दीपेश साहू शामिल हुए। विधायक साहू ने विधि-विधान से माँ लक्ष्मी जी की पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर विधायक साहू ने पूजा स्थल पर उपस्थित श्रद्धालुओं के साथ आरती में भाग लिया तथा आयोजित भव्य भंडारे में सेवा करने का सौभाग्य भी प्राप्त किया। कार्यक्रम स्थल पर सैकड़ों श्रद्धालुजन उपस्थित रहे और उत्सव का माहौल पूरे ग्राम में भक्तिमय बना रहा। इस अवसर पर विधायक साहू ने श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए

कहा माँ लक्ष्मी की आराधना का यह पावन पर्व न केवल श्रद्धा और भक्ति का प्रतीक है, बल्कि यह समृद्धि, सौभाग्य और सकारात्मक ऊर्जा का संदेश भी देता है। दीपावली का यह पर्व हमें सेवा, सहयोग और एकता के मूल्यों को सहेजने की प्रेरणा देता है। ऐसे धार्मिक आयोजनों से समाज में सदभाव, संस्कृति और आपसी भाईचारे की भावना मजबूत होती है। मैं माँ लक्ष्मी से प्रार्थना करता हूँ कि उनके आशीर्वाद से हमारे क्षेत्र के सभी लोगों के जीवन में सुख, शांति और समृद्धि बनी रहे। विधायक साहू ने क्षेत्रवासियों को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि दीपों का यह पर्व आप सभी के जीवन में नई खुशियाँ, नई उमंग और नई ऊर्जा लेकर आए। माँ लक्ष्मी सब पर अपनी कृपा दृष्टि बनाए रखें। कार्यक्रम में ग्रामवासी, आयोजक समिति के सदस्य और बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

एक सूत्रीय मांग को लेकर कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

बेमेतरा। भारत सरकार की सार्वजनिक तेल कंपनी, आईसीएल, एचपीसीएल, बीपीसीएल के एलपीजी वितरक अपनी एक सूत्रीय मांग को लेकर चरणबद्ध तरीके से आंदोलन प्रारंभ करेंगे। एलपीजी डिस्टीब्यूशन एसोसिएशन द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया है कि, भारत सरकार की तीनों रणर्वजनिक तेल कंपनियों के एलपीजी वितरक अपनी एक सूत्रीय मांग को लेकर चरणबद्ध तरीके से आंदोलन करेंगे। आंदोलन के प्रथम चरण में सभी वितरक व उनके कर्मचारी काली पट्टी बांधकर कार्य करेंगे तथा जिला कलेक्टर के माध्यम से सचिव पेट्रोलियम मंत्रालय को ज्ञापन सौंपेंगे जिसके तहत कलेक्टर को को ज्ञापन सौपा गया। आंदोलन का द्वितीय चरण 29 अक्टूबर को शाम

7:00 बजे सभी वितरक अपने जिला मुख्यालय पर मसाला मोमबत्ती जनाकर विरोध प्रदर्शन करेंगे। आंदोलन के तृतीय चरण 6 नवंबर गुरुवार नो मनी नी इंडेंटः न पैसा जमा करेंगे न इंडेंट करेंगे। अंतिम चरण में यदि एलपीजी वितरक के सेवा शुल्क एवं होम डिलीवरी प्रभार में वृद्धि नहीं की गई तो एलपीजी वितरक अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाने की घोषणा करेंगे। एलपीजी डिस्ट्रीब्यूटर्स एसोसिएशन के स्थानीय पदाधिकारियों ने जानकारी दी है कि भारत गणतंत्र के सभी वितरक अपनी मांगों को लेकर क्रमबद्ध तरीके से आंदोलन करने के लिए विवश हैं क्योंकि भारत सरकार द्वारा महंगाई के अनुपात में उनके द्वारा की जा रही होम डिलीवरी एवं प्रशासकीय शुल्क में लंबे समय से वृद्धि नहीं की गई है. जिससे वितरक अपनी बेहतर सेवा देने में कठिनाइयों का सामना कर रहा है। एसोसिएशन ने भारत सरकार से अनुरोध किया है कि उनकी मांगों को तुरंत स्वीकार करने का कष्ट करे अन्यथा अनिश्चितकालीन हड़ताल में आने के अलावा उनके पास और कोई विकल्प नहीं होगा।

संक्षिप्त समाचार

युवक की कैंची मारकर हत्या, दो सगे भाई गिरफ्तार

रायपुर। भाठागांव बीएसयूपी कालोनी जुआ खेलने के दौरान दो सगे भाईयों ने कैची से युवक पर हमला कर मौत के घाट उतार दिया। मामले में पुरानी बस्ती पुलिस ने दोनों युवकों को हिरासत में लिया है। मिली जानकारी के अनुसार मृतक ताहिर हुसैन 29 वर्ष भाठागांव बीएसयूपी कालोनी का रहने वाला था। बताया जाता है कि कल रात वह जुआ खेल रहा था, तभी किसी बात को लेकर मृतक का आरोपी मदन यादव 32 वर्ष और सूरज यादव 23 वर्ष के साथ विवाद हुआ। जिससे दोनों भाई आवेश में आकर ताहिर पर कैची से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। जिससे उसकी मौत हो गई। मामले में पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वहीं दोनों भाईयों को गिरफ्तार कर लिया है।

अलग-अलग क्षेत्र से दो दोपहिया वाहन पार

रायपुर। दो अलग-अलग थाना क्षेत्रों से अज्ञात चोर ने दो दोपहिया वाहन पार कर दिया। दोनों ही मामलों में पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार अमलीडीह न्यू राजेन्द्र नगर निवासी प्रार्थी साहिद अली 48 वर्ष ने टिकरापारा थाना में शिकायत किया कि वह अपनी एक्टिवा क्रमांक सीजी 05 एम 4962 को देवपुरी रिलायंस पेट्रोल पंप के पास खड़ी किया था, तभी अज्ञात चोर ने पार कर दिया। चोरी गए एक्टिवा की कीमत करीब 15 हजार रुपए के आसपास बताई जा रही है। वहीं दूसरे मामले में जनता कालोनी गुढ़ियारी निवासी सुमेश सोखांडे 29 वर्ष ने गुढ़ियारी थाना में शिकायत किया कि वह अपनी सूजूकी एक्सेस क्रमांक सीजी 04 एनएच 7065 को गोगांव टेलीफोन एक्सचेंज ऑफिस के पास खड़ी किया था, तभी अज्ञात चोर ने पार कर दिया।

ज्वेलर्स शॉप से दो नग सोने के हार पार

रायपुर। आरंग के महामाया पारा स्थित नवकार ज्वेलर्स से अज्ञात दो युवकों ने जेवर खरीदने के बहाने 2 नग सोने की हार पार कर दिए। प्रार्थी की शिकायत पर आरंग पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी ऋषि पारख 32 वर्ष महामायापारा आरंग का रहने वाला है। प्रार्थी का नवकार ज्वेलर्स नाम से जेवर की दुकान है। बताया जाता है कि अज्ञात दो युवक जेवर खरीदने के नाम पर उसके दुकान में आए और 23 ग्राम के दो नग सोने के हार लेकर फरार हो गए। चोरी गए जेवर की कीमत लाखों रुपए के आसपास बताई जा रही है। मामले में आरंग पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

सास ससुर को जिंदा जलाने वाला दामाद गिरफ्तार

रायपुर। बैकुंठपुर के ग्राम बड़े साल्ही में दोहरे हत्याकांड को अंजाम दिया गया. हत्याकांड में शामिल सभी आरोपियों की गिरफ्तारी मंगलवार को बैकुंठपुर पुलिस ने की. पकड़े गए मुख्य आरोपी के पास से पुलिस ने देशी कट्टा और 7 जिंदा कारतूस बरामद किए. पुलिस के मुताबिक मुख्य आरोपी को चलती बस से गिरफ्तार किया गया. बैकुंठपुर पुलिस के मुताबिक आरोपी ने अपने सास ससुर को पेट्रोल डालकर जिंदा जला दिया था. पत्नी पति के डर से मायके में रह रही थी इस बात को लेकर आरोपी अक्सर विवाद करता था और पैसों की मांग करता था.

हरित विकास और आर्थिक समृद्धि का छत्तीसगढ़ मॉडल

वन संरक्षण और खनन का संतुलन:विकास के साथ हरियाली का विस्तार

- खनिज संसाधनों का विवेकपूर्ण दोहन आत्मनिर्भर अर्थव्यवस्था की दिशा में बड़ा कदम
- खनिजों से चमक रही प्रदेश की अर्थव्यवस्था खनिज राजस्व में 34 गुना की ऐतिहासिक वृद्धि

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ यह नाम अब केवल हरियाली और संस्कृति का पर्याय नहीं रहा, बल्कि भारत की खनिज राजधानी के रूप में भी अपनी पहचान बना चुका है। देश के कुल खनिज भंडार का बड़ा हिस्सा छत्तीसगढ़ की धरती में छिपा है। यही कारण है कि राज्य की अर्थव्यवस्था में खनिजों का योगदान लगातार बढ़ रहा है और प्रदेश की सकल घरेलू उत्पाद जीएसडीपी में खनिज क्षेत्र की हिस्सेदारी करीब 10 प्रतिशत तक पहुँच चुकी है। राज्य गठन के समय खनिज राजस्व 429 करोड़ रूपए था, जो अब बढ़कर 14 हजार 592 करोड़ हो गया है। 25 साल में राज्य का खनिज राजस्व में 34 गुना बढ़ गया है। वन एवं पर्यावरण संतुलन को बनाए रखते हुए छत्तीसगढ़ राज्य की यह उपलब्धि विशेष रूप से उल्लेखनीय है। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि 1980 से अब तक वनसंरक्षण अधिनियम के तहत छत्तीसगढ़ राज्य में केवल 28 हजार 700 हेक्टेयर भूमि ही खनन के लिए दी गई है, जो कि राज्य के वन क्षेत्र 59.82 लाख हेक्टेयर का 0.47 प्रतिशत और राज्य के कुल भू-भाग 135 लाख हेक्टेयर का 0.21 प्रतिशत है। खनन क्षेत्र में कटाई के साथ 5 से 10 गुना वृक्षारोपण को

अनिवार्य किए जाने से राज्य के वन क्षेत्र में 68 हजार 362 हेक्टेयर की वृद्धि हुई है, जो इंडिया स्टेट ऑफ फॉरेस्ट रिपोर्ट के अनुसार देश में सर्वाधिक है। खनिज राजस्व से न केवल प्रदेश को आर्थिक संबल मिल रहा है, बल्कि हजारों युवाओं के लिए रोज़गार के नए अवसर भी खुल रहे हैं। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार खनिज संपदा के दोहन को पर्यावरणीय संतुलन और जनहित से जोड़कर खनिज से विकास की नई परिभाषा गढ़ रही है। छत्तीसगढ़ के प्रमुख खनिजों में से महत्वपूर्ण कोयला, ऊर्जा का सबसे बड़ा स्रोत है। छत्तीसगढ़ देश का दूसरा सबसे बड़ा कोयला उत्पादक राज्य है। राज्य में कोयले का भंडारण 74,192 मिलियन टन है, जो देश के कोयल भण्डार का लगभग 20.53 प्रतिशत है। कोयला उत्पादन में छत्तीसगढ़ राज्य की देश में 20.73 प्रतिशत हिस्सेदारी है। देश के कोयला उत्पादक राज्यों में छत्तीसगढ़ का दूसरा स्थान है। प्रदेश के कोयले का उपयोग ताप विद्युत संयंत्रों, सीमेंट, इस्पात और कोयला आधारित मध्यम व लघु उद्योगों में किया जा रहा है। ऊर्जा क्षेत्र की आत्मनिर्भरता में छत्तीसगढ़ का योगदान पूरे देश के लिए महत्वपूर्ण है। लौह अयस्क देश के इस्पात उद्योग की रीढ़ है, जो छत्तीसगढ़ में प्रचुर मात्रा में विद्यमान है। कबीरधाम से लेकर दल्लीराजहरा से होते हुए दंतेवाड़ा बैलाडीला तक फैली पर्वत श्रृंखलाओं में 4,592 मिलियन टन लौह अयस्क भंडार मौजूद है, जो राष्ट्रीय भंडार का 19.09 प्रतिशत है। राष्ट्रीय उत्पादन में छत्तीसगढ़ का योगदान 16.64 प्रतिशत है। एनएमडीसी की बैलाडीला खदानें (दंतेवाड़ा) और दल्ली-राजहरा खदानें (बालोद) देश के इस्पात उद्योगों की जीवनरेखा हैं। यहां से भिलाई इस्पात संयंत्र और देशभर के उद्योगों को उच्च गुणवत्ता वाला लौह अयस्क मिलता है। लौह अयस्क उत्पादन में छत्तीसगढ़ का देश में द्वितीय स्थान है। छत्तीसगढ़ में 992 मिलियन टन बाक्साइट भंडार है, जो देश का 20 प्रतिशत है। राष्ट्रीय उत्पादन में छत्तीसगढ़ का योगदान 4.3 प्रतिशत है। सरगुजा, बलरामपुर और कबीरधाम जिलों में हिन्डाल्को, वेदांता और सीएमडीसी जैसी कंपनियाँ सक्रिय हैं। बाक्साइट से निर्मित एल्युमिनियम ऊर्जा, निर्माण और रक्षा उद्योग के लिए अहम है। चूना पत्थर सीमेंट उद्योग का मेरुदंड है। राज्य में 13,211 मिलियन टन चूना पत्थर का भंडार है, जो देश के कुल भंडार का 5.8 प्रतिशत है। राष्ट्रीय उत्पादन में छत्तीसगढ़ का योगदान 11 प्रतिशत है। बलौदाबाजार, रायपुर, जांजगीर-चांपा और रायगढ़ जिलों में अल्ट्राटेक, एसीसी, अम्बुजा, श्री सीमेंट, ग्रासिम जैसे संयंत्र कार्यरत हैं।

राजभवन में दीपावली मिलन समारोह का हुआ आयोजन...

रायपुर। राजभवन में आज दीपावली पर्व के अवसर राज्यपाल रमेन डेका के मुख्य आतिथ्य में दीपावली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। श्री डेका ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उन्होंने सभी अतिथियों को दीपावली पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं दी। साथ ही सभी के सुख, शांति एवं समृद्धि की कामना की। समारोह में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय विशेष रूप से उपस्थित थे। मुख्यमंत्री सहित आमंत्रित अतिथियों ने भी राज्यपाल को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर राज्य की प्रथम महिला रानी डेका काकोटी एवं राज्यपाल के परिजन उपस्थित थे। कार्यक्रम में विभिन्न रंगारंग प्रस्तुति के माध्यम से छत्तीसगढ़ की गौरवशाली संस्कृति को दर्शाया गया। छत्तीसगढ़ के पारंपरिक लोक नृत्य राउत नाच की प्रस्तुति केशव राम यादव एवं दल के द्वारा और सूफी गायक पद्मश्री मदन चौहान के मधुर गायन और विधायक अनुज शर्मा ने भजन की प्रस्तुति से समारोह के उत्साह को दोगुना कर दिया। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश रमेश सिन्हा, उप मुख्यमंत्री अरुण साव, वन मंत्री केदार कश्यप, संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल, मुख्य सचिव विकासशील पुलिस महानिदेशक अरुण देव गौतम, सांसद रूप कुमारी चौधरी, विधायकगण, पूर्व राज्यपाल रमेश बैस, राज्यपाल के सचिव डॉ. सी. आर. प्रसन्ना सहित अन्य अधिकारी तथा गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

सीआरपीएफ कमांडेट तोमर की मानवाधिकार आयोग में शिकायत

रायपुर। बिलासपुर आरपीएफ कमांडेंट दिनेश सिंह तोमर की मानवाधिकार आयोग में शिकायत की गई है। विभागीय सूत्रों के मुताबिक कमांडेंट के बर्ताव को लेकर पूरा बिलासपुर रेल मंडल परेशान है। यही कारण है कि 11 बिंदुओं में शिकायत की गई है, जिसके बाद मानवाधिकार आयोग की एक टीम गोपनीय तरीके से शिकायत में लिखी गई विभिन्न बिंदुओं की जांच कर रही है। सूत्रों के अनुसार शिकायत के संबंध में आईजी आरपीएफमुन्नवर खुर्शीद से भी एक गोपनीय रिपोर्ट कमांडेंट के संबंध में मांगी गई है। शिकायत में कहा गया है कि कमांडेंट बिना वजह स्टॉफ का वेतन काटते है और पूरे भारतीय रेल में जितने कंट्रोल ऑर्डर नहीं निकले होंगे उतने कंट्रोल ऑर्डर केवल बिलासपुर रेल मंडल में निकाले गए है। शिकायत में ये भी आरोप लगाया गया है कि हर महीने वेंडर ड्राईव के नाम पर कर्मचारियों को परेशान किया जाता है और कम केस होने पर पूरी टीम को बुलाकर वेतन में कटौती की जाती है। वहीं एसीपी जैसे मामलों में भी मेजर चार्टशीट दिए जाने की बात उक्त शिकायत में कही गई है। शिकायत में ये भी दावा किया गया है कि कोयला चोरी के झूठे केस भी दर्ज किए जाने का दबाव बनाया जाता है। शिकायत में परेशान कर्मचारियों के आत्महत्या तक के प्रयास किए जाने की बात कही गई है। सूत्रों के मुताबिक बिलासपुर रेल मंडल में इंस्पेक्टर और कमांडेंट के बीच तू-तू मैं-मैं किए जाने की खबर आम हो गई है। वहीं इंस्पेक्टरों को 4-6 घंटे के अंदर बार-बार स्पष्टीकरण मांगे जाने की बात भी उक्त शिकायत में कही गई है। आरपीएफ के सूत्र बताते है कि पिछले दिनों वीडियो कांफ्रेंसिंग में भी एक इंस्पेक्टर के साथ हॉट टॉक हुई, जिसके बाद इंस्पेक्टर को बिलासपुर बुलाया गया था। वहीं एक महिला इंस्पेक्टर से भी साहब के हॉट टॉक का मामला चर्चा में है। शिकायत में दावा किया गया है कि कमांडेंट के बिलासपुर पोस्टिंग के साथ से अब तक कितने कर्मचारियों का वेतन काटा गया है और इसकी वजह क्या है, केवल यही जांच हो जाएगी तो सारे मामले का खुलासा हो जाएगा। सूत्र बताते है कि इस संबंध में आईजी से एक गोपनीय रिपोर्ट भी मांगी गई है।

राज्योत्सव व प्रधानमंत्री के नवा रायपुर प्रवास की तैयारियों की समीक्षा की

- उप मुख्यमंत्री श्री साव ने अधिकारियों को संपूर्ण आयोजन में किसी भी तरह की कोताही न बरतते
- पूरी क्षमता और योग्यता से समय पूर्व सभी तैयारियां सुनिश्चित करने को कहा

रायपुर/ संवाददाता

उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने आज नवा रायपुर स्थित विश्राम भवन में वन एवं पर्यावरण मंत्री श्री केदार कश्यप तथा वित्त मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी के साथ राज्योत्सव तथा प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नवा रायपुर प्रवास की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने राज्योत्सव की तैयारियों में जुटे अधिकारियों के साथ विभिन्न व्यवस्थाओं की गहन समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उप मुख्यमंत्री श्री साव ने अधिकारियों को संपूर्ण आयोजन में किसी भी तरह की कोताही न बरतते हुए पूरी क्षमता और योग्यता से समय पूर्व सभी तैयारियां सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की स्थापना के रजत जयंती वर्ष में राज्योत्सव पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के आगमन को ऐतिहासिक और यादगार बनाना है। इसके लिए तैयारियों में कोई कोर-कसर न छोड़ें। प्रधानमंत्री के प्रवास के दौरान सभी कार्यक्रमों के भव्य और सुव्यवस्थित आयोजन के लिए तेजी से कार्य करते हुए सभी व्यवस्थाओं को मूर्त रूप दें। उप मुख्यमंत्री श्री साव तथा मंत्रीद्वय श्री केदार कश्यप और श्री ओ.पी. चौधरी ने राज्योत्सव के लिए विभिन्न व्यवस्थाओं के प्रभारी अधिकारियों के साथ बैठक कर कार्यक्रम स्थल पर सेक्टर्स की स्थिति, बैठक क्षमता, परिक्रमा पथ के लोकेशन एवं सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की। बैठक में पुलिस बल की तैनाती, पार्किंग व्यवस्था व पेयजल व्यवस्था के साथ ही वीवीआईपी सेक्टर की क्षमता, सुव्यवस्थित पहुंच मार्ग तथा सभी कार्यक्रमों के व्यवस्थित आयोजन की रुपरेखा पर भी विस्तार से चर्चा हुई। आवास एवं पर्यावरण विभाग के सचिव श्री अंकित आनंद, रायपुर के कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह, संस्कृति विभाग के संचालक श्री विवेक आचार्य, रायपुर नगर निगम के आयुक्त श्री विश्वदीप और लोक निर्माण विभाग के प्रमुख अभियंता श्री वी.के. भतपहरी भी समीक्षा बैठक में मौजूद थे।

साय सरकार के 2 साल बाद भी मोदी की गारंटी नहीं हुई पूरी.....

- संविदा, दैवेभो कर्मचारियों को 100 दिन के भीतर नियमित करने का था वादा

रायपुर। संवाददाता

पूर्व संसदीय सचिव छ.ग. शासन व महासमुंद के पूर्व विधायक विनोद सेवन लाल चंद्राकर ने कहा कि छत्तीसगढ़ में भाजपा की सरकार बने 2 वर्ष होने को है, इन दो वर्षों में सरकार ने ऐसा कोई कार्य नहीं किया जिससे प्रदेश वासियों के जीवन में बदलाव आए। राज्य सरकार आज हर मोर्चे पर विफल हो चुकी है। कानून-व्यवस्था, गरीब, किसान, दलित और आदिवासी आज खुद को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं, और इसके लिए सरकार पूरी तरह जिम्मेदार है। श्री चंद्राकर ने कहा कि भाजपा ने घोषणा पत्र में सरकार बनने के तुरंत बाद 57 हजार रिक्त पदों पर तथा 2 साल के भीतर 1 लाख खाली पदों पर भर्ती करने का संकल्प मोदी की गारंटी के तहत लिया था। इसके अलावा दैवेभो कर्मचारी, संविदा कर्मियों को नियमितिकरण के लिए सरकार बनने के 100 दिन के भीतर ही समीक्षात्मक प्रक्रिया आरंभ करने एवं कमेटी बनाने की बात कही थी। इस वादे पर क्रियान्वयन का आज 2 साल बाद भी अता-पता नहीं है। माह अगस्त 2025 से प्रदेश के 16 हजार से अधिक एनएचएम कर्मचारियों ने नियमितीकरण व वेतन वृद्धि जैसे मांगों को लेकर लगभग डेढ़ माह तक आंदोलन किया। सरकार ने आश्वासन देकर आंदोलन समाप्त कराया था, जिसमें शासन द्वारा कहा गया था कि 5 प्रतिशत वेतन वृद्धि के साथ हड़ताल अवधि का वेतन भी दीपावली पूर्व उन्हें प्रदान किया जाएगा।

रायपुर सेक्टर में दो नई उड़ानों की सौगात मिली

रायपुर। राजधानी रायपुर के यात्रियों के लिए खुशखबरी है। दिल्ली-रायपुर-दिल्ली रूट पर एयर इंडिया और इंडिगो दोनों ही एयरलाइंस इस महीने नई उड़ानें शुरू करने जा रही हैं। 26 अक्टूबर से इन उड़ानों के शुरू होने के बाद इस सेक्टर में प्रतिदिन कुल आठ उड़ानों का विकल्प यात्रियों को मिलेगा। एयर इंडिया ने नागरिक उड्डयन निदेशालय को नई उड़ान संचालित करने का प्रस्ताव भेजा है। प्रस्तावित समयानुसार एयर इंडिया की नई फ्लाइट (संख्या,ड्ढ 2635) दिल्ली से दोपहर 12:10 बजे उड़ान भरेगी और दोपहर 2:05 बजे रायपुर पहुंचेगी। वहीं वापसी में फ्लाइट संख्या,ड्ढ 2636 रायपुर से दोपहर 2:35 बजे रवाना होकर शाम 4:45 बजे दिल्ली पहुंचेगी। वर्तमान में एयर इंडिया की दो उड़ानें सुबह और शाम के समय संचालित होती हैं। इसी तरह, इंडिगो भी 26 अक्टूबर से नई फ्लाइट शुरू करने जा रही है। इंडिगो की उड़ान संख्या 6श्व2120 दिल्ली से सुबह 10:15 बजे रवाना होकर दोपहर 12:15 बजे रायपुर पहुंचेगी। वापसी में 6श्व6640 रायपुर से दोपहर 12:45 बजे उड़ान भरेगी और दोपहर 2:45 बजे दिल्ली लैंड करेगी। नई उड़ान के साथ रायपुर-दिल्ली सेक्टर में इंडिगो की कुल पांच उड़ानें उपलब्ध होंगी। वर्तमान में रायपुर के स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट से रोजाना 24 उड़ानें संचालित की जा रही हैं। एयर इंडिया और इंडिगो की नई उड़ानों के शुरू होने के बाद यह संख्या बढ़कर 26 हो जाएगी।

फ़सल विविधीकरण एवं जैविक खेती का मार्गदर्शन मिला किसानों को किसान मेंला में

जनप्रतिनिधियों ने जैविक खेती अपनाने किसानों को किया प्रेरित

- राष्ट्रीय कृषि विकास योजना अंतर्गत किसानों को ग्राफ्टेड टमाटर पौधे किए वितरित

रायपुर/ संवाददाता

जिला स्तरीय किसान मेले कृषि विभाग, उद्यानिकी विभाग, पशुधन विकास विभाग एवं मत्स्य पालन विभाग द्वारा विभिन्न योजनाओं एवं नवीन तकनीकों की जानकारी हेतु स्टॉल लगाए गए, जिनका जनप्रतिनिधियों सहित बड़ी संख्या में किसानों ने अवलोकन किया। यह आयोजन कृषि विज्ञान केन्द्र अजिरम, अम्बिकापुर में आज किया गया। कृषि वैज्ञानिकों ने मेले में फ़सल विविधीकरण के महत्व पर चर्चा हुए बताया कि पारंपरिक धान की खेती की तुलना में गन्ना, सब्जी एवं उद्यानिकी फसलों से किसानों को अधिक लाभ प्राप्त हो सकता है। वैज्ञानिकों ने बताया कि जहां धान की खेती में एक रुपए की लागत पर लगभग 50 पैसे का लाभ मिलता है, वहीं गन्ने की खेती में एक रुपए की लागत पर 75 पैसे का लाभ प्राप्त होता है। वहीं शासन द्वारा संचालित किसान हितैषी योजनाओं की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में राष्ट्रीय कृषि विकास योजना अंतर्गत 5 किसानों को टमाटर के ग्राफ्टेड पौधे, 5 किसानों को सरसों बीज मिनीकिट, 5 किसानों को स्वॉयल हेल्थ कार्ड एवं बीमा पॉलिसी प्रमाणपत्र प्रदान किए गए। मत्स्य पालन विभाग द्वारा प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के तहत 7 लाभार्थियों को आईस बॉक्स एवं मछली पकड़ने के जाल का वितरण किया गया। साथ ही जनप्रतिनिधियों ने ए हेल्प पुस्तक का विमोचन किया। पर्यटन, संस्कृति, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में किसानों के उत्थान के लिए अनेक योजनाएं संचालित की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि किसान सम्मान निधि की राशि अब सीधे ग्राम पंचायत स्तर पर उपलब्ध कराई जाएगी, जिससे किसानों को बैंक के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। उन्होंने जैविक खेती को बढ़ावा देने, रासायनिक खादों के अत्यधिक प्रयोग से बचने और मृदा की पोषकता बनाए रखने पर किसानों से आग्रह किया। उन्होंने कहा कि पशुधन विकास विभाग के माध्यम

से कृत्रिम गर्भाधान कार्यक्रम को गति दी जा रही है, जिससे 90 प्रतिशत बछिया प्राप्त होने की संभावना बढ़ी है। उन्होंने मत्स्य पालन विभाग की योजनाओं का लाभ उठाने के लिए भी किसानों को प्रेरित किया गया।सांसद सरगुजा श्री चिंतामणि महाराज ने कहा कि प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री किसानों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए कार्य कर रहे हैं। उन्होंने रासायनिक खादों पर निर्भरता कम करने और जैविक खेती अपनाने का आग्रह किया। लूण्ड्रा विधायक श्री प्रबोध मिंज ने कहा कि किसान मेला किसानों के लिए नवाचार एवं तकनीकी ज्ञान का मंच है। यहां विभिन्न विभागों द्वारा अपनी योजनाओं की जानकारी दी जा रही है, जिससे किसानों को खेती-बाड़ी में आधुनिक तकनीक अपनाकर पैदावार बढाने का अवसर मिलेगा। कलेक्टर ने किसानों से कहा कि आगामी 15 नवम्बर से धान खरीदी प्रारंभ होने जा रही है। इस अवसर पर उन्होंने किसानों से बैंक संबंधी सतर्कता बरतने की अपील की। उन्होंने कहा कि किसान अपनी मेहनत की कमाई पसीना बहाकर अर्जित करते हैं, लेकिन कई बार बैंक धोखाधड़ी के मामलों में उनकी गाढ़ी कमाई चली जाती है। उन्होंने किसानों को सलाह दी कि वे अपने बैंक पासबुक का स्टेटमेंट हर 15 से 30 दिनों में अवश्य जांचें, ताकि किसी भी प्रकार की अनियमितता या संदेहास्पद लेन-देन का तुरंत पता चल सके। उन्होंने ने कहा कि धोखाधडी का शिकार होने के बाद अपराधी भले ही जेल चला जाए, लेकिन किसान की मेहनत की कमाई वापस नहीं मिल पाती, इसलिए जागरूकता ही सबसे बड़ा बचाव है। उन्होंने बताया कि सभी बैंक प्रबंधकों को इस संबंध में निर्देशित किया गया है कि यदि किसी किसान को बैंक लेन-देन में समस्या होती है या किसी प्रकार की धोखाधड़ी की आशंका होती है, तो तत्काल प्रशासन को सूचित करें ताकि शीघ्र कार्रवाई की जा सके। किसान मेला में जिले के सर्वश्रेष्ठ पशुपालकों को सम्मानित किया गया। किसान मेले के माध्यम से किसानों को कृषि, पशुपालन, उद्यानिकी और मत्स्य पालन के क्षेत्र में नवाचार अपनाने तथा आत्मनिर्भर बनने का संदेश दिया गया।कार्यक्रम में जिला पंचायत सरगुजा के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सदस्य, कृषि स्वामित्व समिति की अध्यक्ष पूर्व हस्तशिल्प बोर्ड अध्यक्ष,कृषि मंत्री के प्रतिनिधि सहित बड़ी संख्या में जिले के कृषकगण उपस्थित रहे।

संपादकीय

दिवाली के बाद दिल्ली की हवा फिर क्यों हुई ' खराब'?

आमतौर पर हर वर्ष दिवाली के बाद अगले दिन दिल्ली की हवा की दशा ऐसी हो जाती है कि बहुत सारे लोगों को सांस लेने तक में दिक्कत महसूस होने लगती है। इस वर्ष फिर स्थिति ऐसी हो गई कि मंगलवार को दिल्ली सहित राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के अन्य इलाकों में वायु की गुणवत्ता 'बहुत खराब' श्रेणी में दर्ज की गई। यह स्थिति तब है, जब पिछले कई वर्षों से दिल्ली में प्रदूषण की समस्या को लेकर हर स्तर पर गंभीर चिंता जताई जाती रही है। यहां की हवा को स्वच्छ बनाने के साथ-साथ प्रदूषण का कारण बनने वाली गतिविधियों पर रोक के लिए सख्त कदम उठाने के दावे किए जाते हैं। इस बार दिवाली के मद्देनजर सुप्रीम कोर्ट ने हरित पटाखे चलाए जाने की इजाजत दी थी, मगर इस छूट का किस हद तक बेजा इस्तेमाल किया गया, इसका अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने दिल्ली में कई जगहों पर वायु गुणवत्ता सूचकांक को तीन सौ से ज्यादा पर दर्ज किया। गौरतलब है कि वायु गुणवत्ता सूचकांक यानी एक्यूआइ पर तीन सौ से चार सौ के बीच के आंकड़े को 'बहुत खराब' की श्रेणी में बताया गया है। दिल्ली में ठंड की शुरुआत के साथ ही हवा घनीभूत होने के कारण प्रदूषण का संकट गहराने लगता है। यह अमूमन हर वर्ष की हकीकत है, लेकिन हैरानी की बात है कि इन तथ्यों को जानते-बूझते हुए भी सरकार की ओर से जो कदम उठाए जाते हैं, वे या तो केवल नाम भर के लिए साबित होते हैं या फिर बेअसर रहते हैं। दूसरी ओर, दिल्ली के ज्यादातर निवासियों को लगता है कि इस समस्या पर नियंत्रण पाने के मामले में उनकी कोई भूमिका नहीं है। नतीजतन, प्रदूषण की मार झेलने के बावजूद बहुत कम लोगों के भीतर यह दायित्वबोध दिखता है कि वे प्रदूषण के कारणों पर काबू पाने में सक्रिय भागीदारी करें। इसके उलट ज्यादातर लोग सरकार या अदालतों की ओर से मिली मामूली छूट के बाद इस कदर बेलगाम हो जाते हैं, मानो उन्हें प्रदूषण के संकट को और बढ़ाने की इजाजत मिल गई! दरअसल, इस वर्ष प्रदूषण बढ़ाने में भूमिका के मद्देनजर पटाखे पर पाबंदी के मसले पर सुप्रीम कोर्ट ने थोड़ी राहत दी थी और हरित पटाखों के इस्तेमाल की अनुमति दी थी। मगर दिवाली से पहले ही ग्रैप चरण दो भी लागू किया गया था, ताकि प्रदूषण फैलाने वाले अन्य कारणों को कुछ हद तक नियंत्रित किया जा सके, लेकिन पटाखों की धूम में यह प्रयास बेअसर हो गया। इसमें दोराय नहीं कि सर्दियों की आहट के साथ प्रदूषण की समस्या के गहराने में मौसम की भूमिका होती है। मगर इतना जरूर किया जा सकता है कि जिन वजहों से वायु की गुणवत्ता में तेज गिरावट होती है।

बिहार विधानसभा चुनावों का बिगुल बज चुका है। दो चरणों में कुल 243 विधानसभा क्षेत्रों में चुनाव होना है। बिहार में दोनों बड़े गठबंधनों की पिछले 35 वर्षों से सरकार है। बिहार में बीस साल तक, अभी तक सबसे ज्यादा समय तक मुख्यमंत्री पद पर रहने का रिकॉर्ड नीतीश कुमार के नाम दर्ज है लेकिन इस बार बिहार विधानसभा के चुनावों में कुछ महत्वपूर्ण बदलाव यह दिखायी दे रहा है।

बिहार विधानसभा चुनाव- राजद या महागठबंधन, किस करवट बैठेगा ऊंट?

(मोहन सिंह)

इस बदलाव के असली नायक प्रशांत किशोर और उनकी पार्टी जनसुराज पार्टी है। बिहार के जिन बुनियादी सवालों को मुद्दा बनाकर पिछले तीन वर्षों से वे जमीनी राजनीति कर रहे है,उससे खतरा दोनों गठबंधनों को पैदा हो गया है। उससे भी महत्वपूर्ण बदलाव है कि जिन मुद्दों को महागठबंधन के मुख्य विपक्षी दल होने के नाते राजद को उठाना चाहिए, उन मुद्दों को चुनावों के एन वक्त उठाने और धारदार बनाने में फिलहाल प्रशांत किशोर कामयाब होते दिख रहे हैं।

इस हद तक कि राजद के प्रमुख घटक दल भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल, मंगल पाण्डेय जैसे बड़े नेता चुनाव के समय प्रशांत किशोर के उठाएं मुद्दों से मुंह चुराते नजर आ रहे हैं। भाजपा बिहार प्रदेश के बड़े नेताओं को भ्रष्टाचार की कटघरे में खड़ा कर केन्द्रीय नेतृत्व को यह सोचने के लिए मजबूर कर दिया है कि कैलाशपति मिश्र और सुशील मोदी के दिवंगत हो चुके इन दलबदलू नेताओं पर भरोसा करना भविष्य की राजनीति के लिए नुकसान दायक हो सकता है।

यह जरूरी नहीं कि अपने पहले ही चुनाव में प्रशांत किशोर इस विधानसभा चुनावों को फतह कर दें पर जैसा राममनोहर लोहिया कहा करते थे कि चुनाव सिर्फ जीतने के लिहाज से ही नहीं लड़ा जाता, अपनी नीतियों और कार्यक्रमों को प्रचारित करने, जनता के बीच उन्हें के लिए भी चुनाव लड़ना चाहिए। प्रशांत किशोर और उनकी पार्टी के लिए यह कोई कम बड़ी उपलब्धि नहीं होगी, अगर दो मजबूत गठबंधनों के बीच अपनी एक मजबूत स्थिति दर्ज कराने में कामयाब हो गये।

अपने सतत राजनीतिक अभियान से प्रशांत किशोर ने आम लोगों में इतनी जागरूकता तो जरूर पैदा किया है कि पिछले 35 वर्षों से चली आ रही लालू- राबड़ी और नीतीश कुमार की सरकारों के दौर के जिन जरुरी मुद्दों का समाधान नहीं हो पाया है उनके प्रति एक समझ और समाधान करने का भरोसा लोगों में पैदा किया है।

यह बात नीतीश कुमार के बारे में एक समय उनके सबसे करीबी रहे प्रशांत किशोर भ्रष्टाचार के मुद्दे पर आज भी इतने वर्षों तक सत्ता में रहे नीतीश कुमार व्यक्तिगत छवि कोई अंगुली नहीं उठा सकता। पर क्या ऐसा ही दावा उनके मंत्रियों और आकंठ भ्रष्टाचार में लिप्त अफसरों के बारे में किया जा सकता है?

बिहार की राजनीति को करीब से समझने वाले से पूछा, तो इसका जवाब 'ना' में मिला। यही वह बड़ा मुद्दा है जो नीतीश कुमार कि सन् 2015 के पहले बनी सरकार सुशासन बाबू की छवि को तार-तार कर दे रही है।

वे तीन मुद्दे जिन पर कभी नीतीश कुमार लोगों के दिलों पर राज करते थे, यानी तीन 'सी' अपराध, भ्रष्टाचार और सांप्रदायिक राजनीति से परहेज। नीतीश कुमार के मौजूदा कार्यकाल में इन तीनों मुद्दों के साख पर अब बट्टा लगता दिख रहा है।कम से कम नीतीश कुमार इस बार के शासन काल में 'जस की तस धर दिन्ही चदरिया' की गान करने की स्थिति में तो नहीं है।

सवाल यह भी है कि आम आदमी के रोजमर्रा के सरोकारों जुड़े इन मुद्दों को महागठबंधन मुख्य चुनावी मुद्दा बनाने में कामयाब हुआ? शायद नहीं?

वजह यह सरकार के सत्ता विरोधी रुझान को राजनीतिक चुनावी मुद्दे में तब्दील कर अभियान चलाने के बजाय महागठबंधन के घटक दल भी 'वोटर अधिकार यात्रा' पर निकल पड़े। बिहार की राजनीतिक जमीन पर उतरता मुद्दा अब दिखायी नहीं है। इस दौरान चाहे जितने प्रकार के 'बम फोड़े ' जाने का दावा किया जा रहा था,वह चुनाव आते- आते फुस्स हो गया। कोई खास असर छोड़ता नहीं दिखायी दे रहा है।

'वोटर अधिकार यात्रा' का क्या हुआ असर?: इससे महागठबंधन का नुकसान यह हुआ कि राहुल गांधी की अगुआई में 3 जुलाई से 9 अगस्त, 15 दिनों तक चले 'वोटर अधिकार यात्रा ' में चुनावों के ऐन वक्त सरकार के विरुद्ध माहौल बनाने का कीमती समय हाथ से निकल गया। यही वह जब समय था जब नीतीश सरकार को घेरा जा सकता था।

बिहार की राजनीति की औसत समझ रखने वाला आदमी भी यह जानता है कि किसी भी चुनाव के ठीक दो -तीन महीने का समय खासकर विपक्षी दलों के लिए कितना महत्वपूर्ण होता है। इसके अलावा नामांकन दाखिल अन्तिम दिन तक तय नहीं हो पाया कि किसे कहां से चुनाव लड़ने मैदान में उतारा जाएगा। राजद गठबंधन में खींच -तान कम नहीं है। जब कि नामांकन के दो -तीन ही दिन शेष बचे हैं।

फिलहाल राजद और महागठबंधन दोनों अनिर्णय की दुर्दशा से ग्रस्त दिखायी दे रहे हैं। कहा यह जा रहा है महागठबंधन का ज्यादा पेंच कांग्रेस की वजह से फंसा है। कांग्रेस ज्यादा सीटों पर चुनाव मैदान में उतरने की इच्छुक है। राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव से बेहतर भला कौन जानता है कि जितनी सीटों पर कांग्रेस चुनाव लड़ेगी, उतनी ही महागठबंधन की जीत की संभावनाएं कमजोर होती जाएंगी। यह पिछले विधानसभा चुनावों में भी साबित हो चुका था और इस बार के चुनाव में भी कांग्रेस की सांगठनिक और राजनीतिक जमीन पर उतना मजबूत नहीं दिखायी दे रहा, जितना कांग्रेस दावा कर रही है। इस राजनीतिक हकीकत को तेजस्वी यादव से बेहतर लालू यादव समझते हैं। 'पैरासूट' वाले उम्मीदवारों पर चर्चा किसी चुनाव एक और आधार जिसे भाजपा में आजकल खूब आजमा रही है और पहले कांग्रेस भी आज़माती रही है। वह है चुनाव के अन्तिम समय तय होने वाले 'डील' के जरिये तय होने वाले उम्मीदवार। ऐसे उम्मीदवार 'पैरासूट' उतरने वाले उम्मीदवार होते हैं। पार्टी कोई और होती है चुनावी 'सिंबल' किसी और का होता है। इस 'डील' की कूट भाषा को वे लोग अच्छी तरह से समझते हैं, जिनके पास धन-संसाधनों की कमी नहीं होती है। ऐसे उम्मीदवारों दलीय वफादारी हमेशा संदिग्ध रहती हैं।बिहार विधानसभा के चुनावों में इन मुद्दों के अलावा कुछ और महत्वपूर्ण मुद्दे होंगे, जो निर्णायक साबित होंगे। पहला यह कि महिलाओं का रुझान इस बार किस ओर होगा? क्या गैर यादव पिछड़ी जातियों में यह सन्देश पहुंच चुका है कि नीतीश कुमार की शारीरिक और मानसिक स्थिति अब वैसी नहीं है कि वे सत्ता संचालन के सारे तंत्र की उचित निगरानी कर सके और अपने सुशासन बाबू की छवि को बराकरार रख सके? क्या नीतीश बाबू के समर्थकों को यह अंदेशा हो चुका हैं कि चुनाव के वक्त भले ही भाजपा उनको आगे कर चुनाव लड़ने की घोषणा करे, पर अंततः यह स्थिति लम्बे समय तक कायम रहने वाली नहीं? भाजपा की आज मजबूरी है कि गैर यादव पिछड़ी जातियों को लामबंद करने के लिए पूरे चुनाव के दौरान नीतीश कुमार के नाम को खूब जोरशोर और गाजे बाजे के साथ उछालने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ेगी। पर चुनाव के बाद भी यह सिलसिला चलता रहेगा, इसको लेकर बिहार की राजनीति को ठीक से समझने वाले हर किसी को शक हैं। महागठबंधन के बारे में एक महत्वपूर्ण सवाल कि क्या तेजस्वी यादव अपने स्वजातीय बंधुओं के अति सत्ता और उन्माद नियंत्रण के पाएंगे जो पिछले विधानसभा चुनावों में उनके हार का कारण बना था? आमतौर पर कई बार अन्तिम समय में इस स्वजातीय उन्माद को ही अन्य पिछड़ी जातियां जंगलराज का पर्याय मानने को विवश हो जाती हैं। कुछ और मुद्दे जो इस चुनाव में निर्णायक हो सकते हैं, प्रशांत किशोर की पार्टी के वोट काटने की क्षमता से तय होंगे। किस गठबन्धन को प्रशांत किशोर कितना नुकसान करेंगे ? इससे प्रशांत किशोर की बिहार में भविष्य की राजनीति तो तय होनी है। फिलहाल तो दोनों गठबंधन उनकी कार्यशैली मुद्दा आधारित बेबाक और निर्भीक राजनीति पूरी तरह से भयभीत नहीं तो कुछ सहमे- सहमे दिख ही रहे हैं। प्रशांत किशोर भाजपा की बी टीम होने के आरोप को ध्वस्त कर ही चुके हैं। भाजपा ने केंद्रीय नेतृत्व को यह सोचने के मजबूर कर दिया कि स्व कैलाशपति मिश्र और स्व सुशील मोदी के दिवंगत होने के बाद अगर बिहार की मौजूदा नेतृत्व के भरोसे पर ही टिकी रही, तो संभावना क्या दिखाई दे रही है? फिलहाल यही कहा जा सकता है कि प्रशांत किशोर बिहार में ऐसे ही मुद्दे आधारित राजनीतिक अभियान चलाते रहे, तो इसकी प्रबल संभावना है कि इसकी शुरुआत इस विधानसभा चुनावों से होने जा रही है। यह लेखक के निजी विचार हैं।

अभूतपूर्व रही दीपावली अमीर गरीब सब तक पहुंची उम्मीद की रोशनी

मनोज कुमार अग्रवाल

इस वर्ष दिवाली ने देशभर में व्यापार की दुनिया में नया रिकार्ड बनाया है.कारोबार से लेकर सेवा सेक्टर तक सब को यह दीवाली रोशन कर गयी इतना ही नहीं भविष्य के लिए भी बेहतर उम्मीद की किरण पैदा कर गयी है। कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स की रिसर्च शाखा, रिसर्च एंड ट्रेड डेवलपमेंट सोसाइटी के एक शोध के अनुसार, इस त्योहारी सीजन में देश में जमकर व्यापार हुआ. वस्तुओं के व्यापार का आंकड़ा 5.40 लाख करोड़ रुपये पर जाकर ठहरा तो सेवाओं में करीब 65 हज़ार करोड़ रुपये का बिजनेस हुआ। यह भारतीय रिटेल मार्केट के लिए अब तक का सबसे बड़ा त्योहारी सीजन साबित हुआ। 2024 में त्योहारी बिक्री 4.25 लाख करोड़ रुपये रही थी. यह इस साल की बिक्री से 25 प्रतिशत से कम थी।

इस वृद्धि का एक बड़ा कारण जीएसटी दरों में हुई कटौती भी रही। कन्फेक्शनरी, होम डेकोर, फुटवियर, रेडीमेड गारमेंट्स, उपभोक्ता ड्यूरेबल्स और दैनिक उपयोग की वस्तुओं पर जीएसटी कम होने से कीमतें प्रतिस्पर्धात्मक हुईं और उपभोक्ता खरीदारी के लिए अधिक प्रोत्साहित हुए. 72त्न व्यापारियों ने इस बात की पुष्टि की कि उनके बिक्री के आंकड़े सीधे जीएसटी में कटौती के कारण बढ़े।

अखिल भारतीय व्यापारी परिसंघ ने एक रिपोर्ट जारी की है, जिसके मुताबिक दिवाली पर रिकॉर्ड तोड़ सेल हुई है. लोगों ने जमकर भारतीय चीजों की खरीदारी की है। 5.40 लाख करोड़ रुपये की चीजें बिकीं हैं, जबकि सेवाओं में 65,000 हजार करोड़ रुपये का कारोबार हुआ है। दिवाली पर यह बंपर सेल भारत की आर्थिक मजबूती और स्वदेशी भावना को दर्शाता है। दिवाली पर स्वदेशी सामानों की खूब बिक्री हुई है। पिछले साल की तुलना में इस बार दिवाली पर 25 फीसदी ज्यादा सेल हुई है। लोगों ने चीनी प्रोडक्ट्स को छोड़कर भारतीय निर्मित प्रोडक्ट्स को खरीदना पसंद किया है।

50 लाख लोगों को मिला रोजगार– इस बार की दिवाली ने देशभर के छोटे और मध्यम व्यवसायों के लिए भी नई ऊर्जा पैदा की. लगभग 50 लाख लोगों को अस्थायी रोजगार मिला, जिसमें लॉजिस्टिक्स, ट्रांसपोर्ट, रिटेल सहायता, पैकेजिंग और डिलीवरी शामिल हैं। ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में खरीद शक्ति बढ़ी और इसने कुल बिक्री में लगभग 28 प्रतिशत योगदान दिया। इससे यह स्पष्ट होता है कि दिवाली का व्यापार केवल शहरों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि गांव और छोटे शहरों तक इसकी रौनक पहुंची। अखिल भारतीय व्यापारी परिसंघ की दिवाली त्यौहारी बिक्री 2025 पर रिसर्च रिपोर्ट राज्यों की राजधानियों और टियर 2 व 3 शहरों समेत 60 प्रमुख वितरण केंद्रों पर किए गए एक व्यापक राष्ट्रव्यापी सर्वे पर बेस्ड है। रिपोर्ट के मुताबिक, इस साल दिवाली पर कुल बिक्री रिकॉर्ड 6.05 लाख करोड़ तक पहुंच गई, जिसमें वस्तुओं में 5.40 लाख करोड़ और सेवाओं में 65,000 करोड़ शामिल है। यह भारत के व्यापारिक इतिहास में अब तक का सबसे ज्यादा फेस्टिवल कारोबार है। चांदनी चौक से सांसद और व्यापार संगठन के महासचिव प्रवीण खंडेलवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जीएसटी को युक्तिसंगत बनाने और स्वदेशी अपनाने के एक मजबूत ब्रांड एंबेसडर के रूप में उभरे हैं, जिससे व्यापारिक समुदाय और ग्राहक दोनों ही प्रेरित हुए हैं।

प्रधानमंत्री के वोकल फॉर लोकल और स्वदेशी दिवाली नारों ने लोगों को बहुत प्रभावित किया है. 87 प्रतिशत कंज्यूमर्स ने विदेशी सामानों की तुलना में भारतीय निर्मित वस्तुओं को प्राथमिकता दी यानी 100 में से 87 लोगों ने भारतीय सामान खरीदें, जिस कारण चीनी वस्तुओं की मांग में भारी गिरावट आई। व्यापारियों ने पिछले साल की तुलना में भारतीय निर्मित उत्पादों की बिक्री में 25 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है। दिवाली 2025 के व्यापार के आंकड़े पिछले साल के 4.25 लाख करोड़ की बिक्री की तुलना में 25 प्रतिशत की ग्रोथ दिखाता है। नॉन-कॉर्पोरेट और पारंपरिक बाजारों ने कुल व्यापार में 85 प्रतिशत का योगदान दिया। कैट के राष्ट्रीय अध्यक्ष बी. सी. भरतिया ने प्रमुख त्यौहारी वस्तुओं की बिक्री के बारे में जानकारी दी. उनके मुताबिक, किराना और एफएमसीजी 12 प्रतिशत, सोना और आभूषण, 10 प्रतिशत, इलेक्ट्रॉनिक्स और इलेक्ट्रिकल्स, 8 प्रतिशत, उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुएं 7 प्रतिशत, रेडीमेड वस्त्र 7 प्रतिशत, गिफ्ट प्रोडक्ट्स 7 प्रतिशत, गृह सज्जा, 5 प्रतिशत, फर्निशिंग और फर्नीचर, 5 प्रतिशत, मिठाई और नमकीन 5 प्रतिशत, कपड़ा और फैब्रिक 4 प्रतिशत, पूजा सामग्री 3 प्रतिशत, फल और सूखे मेवे 3 प्रतिशत, बेकरी और कन्फेक्शनरी 3 प्रतिशत, जूते 2 प्रतिशत, अन्य वस्तुएं, 19 प्रतिशत कुल व्यापार का हिस्सा हैं।

पुतिन का सबसे बड़ा परमाणु शक्ति प्रदर्शन, क्या महायुद्ध की आहट है?

(अंकित सिंह)

रूस ने राष्ट्रपति पुतिन के निरीक्षण में ज़मीन, समुद्र और हवा में व्यापक परमाणु अभ्यास किया, जिसमें ज़मीनी 'यार्स' आईसीबीएम और पनडुब्बी से 'सिनेवा' बैलिस्टिक मिसाइलों का सफल प्रक्षेपण शामिल था। यह अभ्यास अपनी परमाणु शक्ति का प्रदर्शन कर बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव के बीच सैन्य तत्परता और कमांड क्षमताओं का मूल्यांकन करने हेतु आयोजित किया गया। राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने बुधवार को रूस की परमाणु शक्तियों के व्यापक परीक्षण का निरीक्षण किया, जिसमें ज़मीन, समुद्र और हवा में उनकी तैयारियों और कमान संरचनाओं का मूल्यांकन किया गया। इस अभ्यास में एक कॉस्मोड्रोम से एक ज़मीनी 'यार्स' अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल, बैरेंट्स सागर में एक परमाणु पनडुब्बी से एक 'सिनेवा' बैलिस्टिक मिसाइल और रणनीतिक बमवर्षकों से परमाणु-सक्षम क्रूज़ मिसाइलों का प्रक्षेपण शामिल था। एक सामरिक पनडुब्बी क्रूजर द्वारा बैरेंट्स सागर से एक बैलिस्टिक मिसाइल दागी गई। रूस अपने परमाणु बलों का नियमित अभ्यास करता है, ताकि उन्हें अपनी क्षमता का परीक्षण करा सके तथा अपने विरोधियों को यह याद दिला सके कि पूर्व-पश्चिम के बीच बढ़ते तनाव के दौर में उसके पास विश्व का सबसे बड़ा परमाणु शस्त्रागार है। क्रेमलिन ने एक बयान में कहा, इस अभ्यास में सैन्य कमान की तैयारी के स्तर और अधीनस्थ बलों के नियंत्रण को व्यवस्थित करने में परिचालन कर्मियों के व्यावहारिक कौशल का परीक्षण किया गया। वहीं, यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर ज़ेलेंस्की ने बुधवार को कहा कि यूक्रेन के खार्किव शहर में एक रूसी ड्रोन ने रात भर चले एक बड़े हमले के बाद एक किंडरगार्टन पर हमला किया, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई और सात अन्य घायल हो गए। ज़ेलेंस्की ने ङ्क पर एक पोस्ट में कहा कि सभी बच्चों को सुरक्षित निकाल लिया गया है और अब वे आश्रय गृहों में हैं। दुर्भाग्य से, एक व्यक्ति की मौत हो गई है, शोक संतप्त परिवार के प्रति मेरी संवेदनाएँ। सात लोग घायल हुए हैं और उनका इलाज चल रहा है। उन्होंने कहा कि प्रारंभिक रिपोर्टों से संकेत मिलता है कि हमले के बाद कई बच्चों में गंभीर तनाव के लक्षण दिखाई दिए। राष्ट्रपति ने कहा कि किंडरगार्टन पर ड्रोन हमले का कोई औचित्य नहीं है, न ही कभी हो सकता है। स्पष्ट रूप से, रूस और अधिक निर्लज्ज होता जा रहा है। ज़ेलेंस्की ने इस हमले को शांतिपूर्ण समाधान पर ज़ोर देने वाले सभी लोगों के मुँह पर रूस का थूक बताया और कहा कि ठगों और आतंकवादियों को केवल बलपूर्वक ही उनकी जगह पर रखा जा सकता है।

लग्जरी लोकपाल कैसे बनेंगे भ्रष्टाचार विरोधी और सार्वजनिक जीवन में शुचिता की मिसाल?

(नीरज कुमार दुबे)

भारत में भ्रष्टाचार के खिलाफ एक सशक्त और स्वतंत्र संस्था के रूप में लोकपाल का गठन किया गया था। उद्देश्य स्पष्ट था– सत्ता के गलियारों में फैले भ्रष्टाचार पर नकेल कसना और सार्वजनिक जीवन में शुचिता को संस्थागत रूप देना। परंतु विडंबना देखिए कि आज वही संस्था, जिसके गठन से आम जनता ने पारदर्शिता और सादगी की उम्मीद की थी, अब अपनी छवि पर सवालों के घेरे में है। वजह है लोकपाल कार्यालय की ओर से सात बीएमडब्ल्यू 330एलआई एम स्पोर्ट कारों की खरीद के लिए जारी किया गया करोड़ों रुपये का निविदा आमंत्रण।

यह कदम न केवल नैतिक दृष्टि से सवाल खड़े करता है, बल्कि उस वैचारिक आधार को भी कमजोर करता है जिस पर लोकपाल की इमारत खड़ी की गई थी। जब संस्था का गठन हुआ था, तब लोग उम्मीद कर रहे थे कि लोकपाल सत्ताधारी वर्ग की जवाबदेही तय करेगा। लेकिन आज, जब लोकपाल खुद विलासिता की राह पर अग्रसर दिखाई देता है, तो यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि क्या यह वही संस्था है जिसके लिए देश की जनता सड़कों पर उतरी थी?

हम आपको बता दें कि लोकपाल कार्यालय

द्वारा जारी टेंडर में कहा गया है कि ये वाहन संस्थान के 'अध्यक्ष एवं सदस्यों' के उपयोग हेतु होंगे। सवाल यह है कि एक ऐसी संस्था, जिसे सार्वजनिक धन की शुचिता पर नजर रखनी चाहिए, वह खुद इतने महंगे वाहनों की खरीद को कैसे उचित ठहरा सकती है? जब सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश भी सामान्य सिडान कारों से कार्य कर सकते हैं, तब लोकपाल के लिए करोड़ों की जर्मन गाड़ियाँ क्यों आवश्यक हैं?

कांग्रेस नेता पी. चिदंबरम ने इसी तर्क को रेखांकित करते हुए पूछा है, 'जब सर्वोच्च न्यायालय के माननीय न्यायाधीश साधारण गाड़ियों में चलते हैं, तो लोकपाल को बीएमडब्ल्यू की क्या आवश्यकता है?' यह प्रश्न केवल राजनीतिक नहीं, बल्कि नैतिक और प्रशासनिक संवेदनशीलता का भी है।

जनता के कर के पैसे से बनी संस्थाओं की जवाबदेही जनता के प्रति होती है। परंतु जब ऐसी संस्थाएँ अपने ही संसाधनों को विलासिता में व्यय करने लगें, तो यह संकेत है कि व्यवस्था में आत्ममुग्धता प्रवेश कर चुकी है। यह बात भी विचारणीय है कि अब तक लोकपाल ने कितने बड़े भ्रष्टाचार मामलों में कार्रवाई की है? वर्ष 2014 से लेकर अब तक, इस संस्था की उपलब्धियाँ नगण्य रही हैं। कई राज्यों में लोकायुक्त सक्रिय हैं, लेकिन राष्ट्रीय लोकपाल की भूमिका अधिकतर औपचारिक ही दिखी है। ऐसे में करोड़ों रुपये खर्च कर विलासिता का यह प्रदर्शन, न केवल नैतिक असंगति है, बल्कि जनता के विश्वास का भी दुरुपयोग है।

विपक्षी नेताओं के अलावा नीति आयोग के पूर्व सीईओ अमिताभ कांत ने भी इस निविदा पर आपत्ति जताते हुए कहा है कि लोकपाल को यह टेंडर रद्द कर मेक इन इंडिया की भावना के अनुरूप महिंद्रा या टाटा के इलेक्ट्रिक वाहनों का चयन करना चाहिए था। यह सुझाव केवल आर्थिक दृष्टि से नहीं, बल्कि पर्यावरणीय और सांस्कृतिक दृष्टि से भी सार्थक है। जब देश आत्मनिर्भर भारत और ईवी मिशन की दिशा में अग्रसर है, तब विदेशी विलासिता को अपनाना आत्मनिर्भरता की भावना के विपरीत है।

देखा जाये तो लोकपाल जैसी संस्था का नैतिक बल उसकी सादगी और ईमानदारी में निहित होता है। यदि वही संस्था आम जनता से कटकर अभिजात्य मानसिकता अपनाने लगे, तो उसका नैतिक अधिकार स्वतः कमजोर हो जाता है। यह केवल एक टेंडर का मामला नहीं है; यह उस सोच का प्रतीक है जिसमें सेवा की जगह सुविधा ने ले ली है।

बहरहाल, लोकपाल के गठन का मकसद भ्रष्टाचार से लड़ना था, न कि जनसंसाधनों से विलासिता का आनंद लेना। इस प्रकरण ने यह स्पष्ट कर दिया है कि यदि संस्थाएँ अपने आदर्शों से विचलित हों, तो वह जनता की नज़र में अपनी विश्वसनीयता खो देती हैं। लोकपाल को चाहिए कि वह इस निर्णय पर पुनर्विचार करे, निविदा को रद्द करे और एक बार फिर उस सादगी की राह पर लौटे, जिसकी प्रेरणा से उसका जन्म हुआ था।

सच्चाई यह है कि भ्रष्टाचार केवल धन के लेनदेन से नहीं, बल्कि मानसिकता से शुरू होता है। जब शुचिता की प्रतीक संस्था ही विलासिता की प्रतीक बन जाए, तो यह केवल विडंबना नहीं, बल्कि चेतावनी है– उस आदर्श की, जो धीरे-धीरे धुंधला पड़ता जा रहा है।(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

कृषि विज्ञान केंद्र में किसानों का उत्साह

नई तकनीकों ने खींचा ध्यान, 1500 से अधिक किसानों ने लिया भाग

सुकमा। रजत जयंती वर्ष 2025 के उपलक्ष्य में एक्सटेंशन रिफॉर्म्स (आत्मा) योजना अंतर्गत कृषि विज्ञान केंद्र सुकमा में 17 एवं 18 अक्टूबर को दो दिवसीय किसान मेला सह प्रदर्शनी का सफल आयोजन किया गया। कलेक्टर देवेश कुमार ध्रुव के निर्देशन एवं मार्गदर्शन में आयोजित इस मेले का आयोजन कृषि, पशुपालन, मत्स्यपालन, उद्यानिकी, केडा तथा कृषि विज्ञान केंद्र सुकमा के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। मेले में किसानों के लिए पी.एम. किसान सम्मान निधि पंजीयन, किसान क्रेडिट कार्ड निर्माण सहित विभिन्न सरकारी योजनाओं एवं नवीन कृषि तकनीकों की जानकारी हेतु विभागों द्वारा आकर्षक स्टॉल लगाए गए, जिनका बड़ी संख्या में उपस्थित किसानों ने अवलोकन किया। कार्यक्रम के प्रथम दिवस में जनपद अध्यक्ष देवली बाई नाग, सरपंच मुका राम नाग, भाजपा जिला अध्यक्ष धनीराम बारसे एवं पूर्व जनपद अध्यक्ष सुकालू राम नाग उपस्थित रहे। द्वितीय दिवस के मुख्य अतिथि सोयम मंगम्मा (अध्यक्ष, जिला पंचायत सुकमा), सोयम मुका (सभापति, कृषि स्थायी समिति), तथा गीता कवासी (जिला पंचायत सदस्य) रहीं। कार्यक्रम में जिले के तीनों विकासखंडों से लगभग 1500 किसान भाई-बहन एवं कृषि विभाग के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिकों ने इस अवसर पर विभिन्न विषयों पर वैज्ञानिक परिचर्चा एवं तकनीकी सत्रों का आयोजन किया। उप संचालक कृषि पी.आर.बघेल ने अपने उदबोधन में एग्रीस्टैक, पीएम किसान सम्मान निधि, एवं किसान क्रेडिट कार्ड योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने किसानों को सरकारी योजनाओं का अधिकतम लाभ लेने का आग्रह किया। वैज्ञानिक सत्रों में राजेन्द्र प्रसाद कश्यप (पौध रोग वैज्ञानिक) ने तिल की उन्नत किस्म उन्नत रामा की विशेषताएँ बताते हुए तिलहन उत्पादन में संतुलित पोषण एवं कीट-रोग नियंत्रण पर मार्गदर्शन दिया। डॉ. परमानंद (कृषि अभियांत्रिकी वैज्ञानिक) ने आधुनिक कृषि यंत्रों के उपयोग से श्रम व समय की बचत के उपाय बताए। डॉ. योगेश कुमार सिदार (कीट वैज्ञानिक) ने धान फसल में जैविक कीट एवं व्याधि नियंत्रण की तकनीक साझा करते हुए पर्यावरण-अनुकूल खेती अपनाने का आह्वान किया। डॉ. संजय सिंह राठौर (मत्स्य पालन विशेषज्ञ) ने मत्स्य पालन को किसानों की आय वृद्धि का प्रभावी साधन बताते हुए इस क्षेत्र में उपलब्ध अवसरों की जानकारी दी। कार्यक्रम का समापन प्रशस्ति पत्र वितरण, कृषि आदान सामग्री वितरण एवं समापन समारोह के साथ हुआ। जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने स्टॉलों का अवलोकन कर किसानों से संवाद किया तथा नवीन तकनीकों व सरकारी योजनाओं की जानकारी प्राप्त की।

महिला सशक्तिकरण और स्वास्थ्य संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण पहल

■ नियद नेल्लानार ग्रामों में बीपीएल परिवारों को उज्ज्वला गैस कनेक्शन में प्राथमिकता

सुकमा। महिला सशक्तिकरण, स्वच्छ ईंधन के उपयोग को बढ़ावा देने तथा ग्रामीण परिवारों के स्वास्थ्य संरक्षण के उद्देश्य से प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना को और अधिक प्रभावी बनाया जा रहा है। केंद्र सरकार द्वारा योजना के अंतर्गत 25 लाख अतिरिक्त एलपीजी गैस कनेक्शन जारी करने की मंजूरी दी गई है। इसके तहत छत्तीसगढ़ के नियद नेल्लानार योजना में शामिल ग्रामों के बीपीएल परिवारों को प्राथमिकता से लाभ प्रदान किया जाएगा। खाद्य सचिव रीना बाबा साहेब कंगाले ने तेल विपणन कंपनियों के अधिकारियों की बैठक लेकर योजना के पारदर्शी, त्वरित और प्रभावी क्रियान्वयन के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि सुशासन तिहार और नियद नेल्लानार योजना के तहत पात्र 1.59 लाख माताओं-बहनों को उज्ज्वला कनेक्शन उपलब्ध कराया जाएगा। सुकमा कलेक्टर देवेश कुमार ध्रुव ने संबंधित अधिकारियों को चिन्हांकित ग्रामों में विशेष शिविर आयोजित कर आवेदन प्राप्त करने, लाभार्थियों का सत्यापन करने तथा गैस सुरक्षा संबंधी जानकारी देने के निर्देश दिए हैं। स्वच्छ रसोई ईंधन की उपलब्धता से महिलाओं को धूम्ररहित रसोई, समय की बचत, स्वास्थ्य सुरक्षा, सुविधा और सम्मानपूर्ण जीवन की दिशा में नई मजबूती प्राप्त होगी।

'उम्मीद' एवं 'मनोदर्पण' आधारित मानसिक स्वास्थ्य नीति होगी लागू

सुकमा। विद्यार्थियों में बढ़ते मानसिक तनाव एवं आत्महत्या की घटनाओं की रोकथाम के उद्देश्य से स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा राज्य के सभी शैक्षणिक संस्थानों के लिए मानसिक स्वास्थ्य संबंधी निर्देश जारी किए गए हैं। यह पहल सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों के अनुपालन में की गई है। स्कूल शिक्षा विभाग ने स्पष्ट किया है कि सभी शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों, महाविद्यालयों, कोचिंग संस्थानों, प्रशिक्षण केन्द्रों एवं छात्रावासों में 'उम्मीद' एवं 'मनोदर्पण' से प्रेरित मानसिक स्वास्थ्य नीति को अनिवार्य रूप से लागू किया जाएगा। सुकमा जिला कलेक्टर देवेश कुमार ध्रुव ने कहा कि विद्यार्थियों में सकारात्मक सोच, भावनात्मक संतुलन और आत्मविश्वास विकसित करने की दिशा में यह नीति महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। उन्होंने बताया कि नई व्यवस्था के तहत 100 या अधिक विद्यार्थियों वाले संस्थानों में प्रशिक्षित परामर्शदाता अथवा मनोवैज्ञानिक की नियुक्ति अनिवार्य होगी, वहीं इससे कम संख्या वाले संस्थान आवश्यकता अनुसार पंजीकृत मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञों का सहयोग प्राप्त किया जाएगा। कलेक्टर ने यह भी कहा कि शासन की यह पहल विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य के संरक्षण, आत्महत्या जैसी घटनाओं की रोकथाम तथा संवेदनशील एवं सहयोगी शैक्षणिक वातावरण निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण एवं सार्थक कदम सिद्ध होगी।

श्रम विभाग के कुछ अफसरों द्वारा महिला उत्पीड़न जांच समिति बनाने के नाम पर व्यापारियों से पैसे वसूले जाने का लगा आरोप

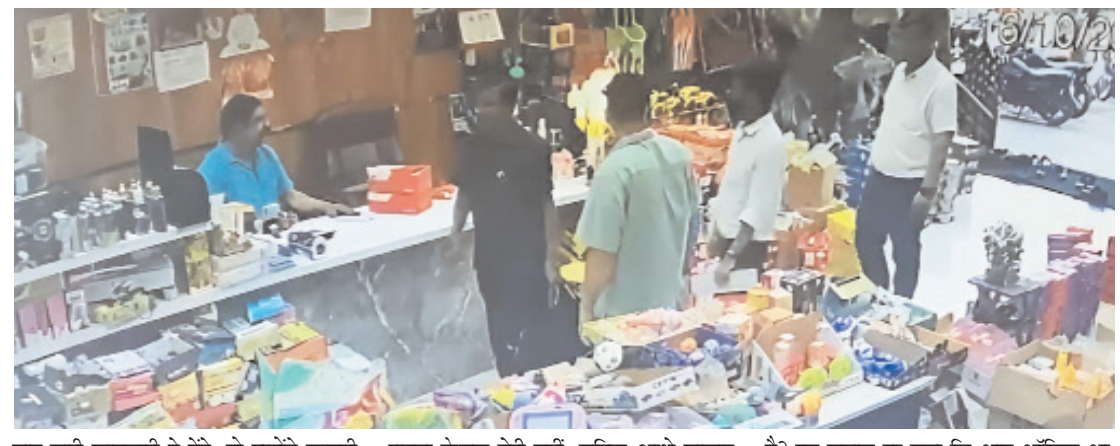

बलौदाबाजार। दीपावली के दौरान श्रम विभाग के कुछ अफसरों ने महिला उत्पीड़न जांच समिति बनाने के नाम पर व्यापारियों से पैसे वसूले। सप्ताहभर श्रम विभाग की टीम, लेबर इंस्पेक्टर रामचरण कौशिक के नेतृत्व में अचानक शहर के विभिन्न बाजारों में पहुंची और दुकानों में महिलाओं की सुरक्षा समिति बनाए जाने के नाम पर जांच शुरू कर दी। दिवाली की खरीदारी के बीच अचानक पहुंची टीम ने न केवल दुकानदारों से पूछताछ की बल्कि कथित रूप से कागजात में कमी बताकर कार्रवाई का डर दिखाया और 5 से 10 हजार रुपए तक वसूली की। शहर के कई पीड़ित व्यापारियों ने बताया कि यह कार्रवाई 'सर्वे' से ज्यादा 'वसूली' जैसी थी। दुकानों में ग्राहकों की भीड़ लगी हुई थी, ऐसे में अधिकारी आए तो और अफरा तफरी मच गई।

मांगे 10 हजार, 5 देकर पीछा छुड़ाया – गुड़िया रेडीमेड के कपड़ा व्यापारी संदीप हबलानी ने बताया कि दुकान में इतनी भीड़ थी कि ग्राहकों को संभालना मुश्किल था। उसी वक्त श्रम विभाग के अधिकारी आ धमके। बोले- समिति नहीं बनाई तो कार्रवाई होगी। जब समझाने की कोशिश की कि दिवाली के बाद सारी जानकारी दे देंगे, तो उन्होंने कानूनी कार्रवाई का भय दिखाया और 10 हजार रुपए मांगे। अंततः 5 हजार रुपए देकर पीछा छुड़ाना पड़ा, लेकिन किसी तरह की रसीद नहीं दी गई।

पटाखे मांगने लगे अधिकारी – शहर के पटाखा बाजार में तो विभागीय टीम ने हद पार कर दी। चेंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष जुगल भट्टर ने बताया कि उनकी पटाखों की दुकान पर भी टीम पहुंची। दुकान में मौजूद उनके पुत्र ने जब फोन पर बात कराई, तो अधिकारी खुलेआम बोले -बच्चों के लिए कुछ पटाखे दे दो। भट्टर ने कहा कि यह घटना केवल मेरी नहीं, बल्कि आधे बाजार की कहानी है।

लेबर इंस्पेक्टर बोले: स्वेच्छा से पैसे दिए – लेबर इंस्पेक्टर रामचरण कौशिक से बात की, तो उनका जवाब और भी चौंकाने वाला था। उन्होंने कहा कि आयोग से निर्देश आया था कि महिला कर्मचारियों वाली संस्थाओं में 6 सदस्यीय समिति बनाई जाए, उसी के लिए दुकानों में गए थे।व्यापारियों से 5-10 हजार रुपए लेने के सवाल पर कहा कि वो दुकानदारों ने स्वैच्छा से दिवाली गिफ्ट के रूप में दिए हैं। शासकीय कार्रवाई में पैसे लेना कहां तक उचित है? इस सवाल पर कहा कि आप ऑफिस आ जाइए, बैठकर बात कर लेते हैं। इन सभी बयानों की ऑडियो रिकॉर्डिंग दैनिक समाचार पत्र पयनियर के पास मौजूद है।

श्रम अधिकारी बोले- स्वेच्छा से पैसे दिए तो हम क्या कर सकते हैं?

जब मामले की जानकारी श्रम अधिकारी सुरेश कुमार को दी गई, तो बोले – अगर किसी ने स्वेच्छा से पैसे दिये हैं, तो हम क्या करें? आयोग ने सर्वे का आदेश दिया था, टीम उसी के तहत गई थी। अगर किसी को शिकायत है तो वह कार्यालय आकर लिखित में दे सकता है।

कलेक्टर से करेंगे शिकायत : चेंबर

लगातार शिकायतें मिलने के बाद चेंबर ऑफ कॉमर्स अब इस मामले को गंभीरता से ले रहा है। अध्यक्ष जुगल भट्टर ने बताया कि व्यापारियों की शिकायतें एकत्र की जा रही हैं और जल्द ही प्रतिनिधिमंडल कलेक्टर से मुलाकात करेगा। व्यापारी बद्री केसरवानी ने कहा- कि दीपावली से पहले की भीड़ ही पूरे साल की कमाई तय करती है। ऐसे में सरकारी अफसरों की यह तथाकथित जांच मुहिम उनके लिए बड़ा झटका साबित हुई। जहां सरकार महिला सुरक्षा की बात करती है, वहीं उसके नाम पर अधिकारियों द्वारा की गई इस वसूली ने प्रशासन की साख पर प्रश्नचिह्न लगा दिया है। कांग्रेस जिला अध्यक्ष सुमित्रा धृतलहरे यह कहते हुए प्रशासन को घेरा कि कार्यस्थल पर महिला सुरक्षा के नाम पर किए जा रहे इस सर्वे ने प्रशासन की नीयत पर गहरे सवाल खड़े कर दिए हैं। जांच समिति के बहाने दिवाली की भीड़ के बीच दुकानों में वसूली का यह अभियान कहां तक उचित है।

राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर शासकीय भवनों में की जाएगी रोशनी

कांकेर। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर जिले के शासकीय भवनों में आगामी 01 नवम्बर से 05 नवम्बर 2025 तक रोशनी की जाएगी। कलेक्टर निलेशकुमार महादेव क्षीरसागर द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में जिला मुख्यालयों में स्थित सभी शासकीय भवनों में रोशनी करने के लिए जिला प्रमुख अधिकारियों को निर्देशित किया गया है। उन्होंने निजी संस्थाओं से भी अपने भवनों में राज्योत्सव के अवसर पर रोशनी करने की अपील की है। राज्य शासन द्वारा दिए गए निर्देशानुसार जिला मुख्यालय में 02 नवम्बर से 4 नवम्बर तक तीन दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा, जिला मुख्यालय कांकेर के नरहरदेव शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के खेल मैदान में यह कार्यक्रम आयोजित होगी। कलेक्टर निलेशकुमार महादेव क्षीरसागर ने उक्त कार्यक्रम के सफल क्रियान्वयन के लिए जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी हरेश मंडावी को नोडल अधिकारी नियुक्त किया है। इसके साथ ही विभिन्न विभागों को दायित्व भी सौंपे गए हैं।

छठ महापर्व की तैयारी को लेकर महापौर संजय पांडे ने किया घाटों का निरीक्षण

जगदलपुर। महापौर संजय पाण्डेय सबका साथ, सबका विश्वास, सबका विकास के सिद्धांत पर चल रहे हैं। सभी धर्मों की आस्था और पर्व कावे पूरा सम्मान करते हैं। सभी के लिए निगम की ओर से जरूरी व्यवस्थाएं वे करते हैं। छठ महापर्व 2025 के आयोजन को लेकर भी महापौर संजय पांडे पूरी तरह संजीदा हैं। यही वजह है कि पाण्डेय ने आज शहर के गंगा मुंडा, दलपत सागर एवं अन्य जलशयों के छठ पूजा घाटों का निरीक्षण किया। उनके साथ एमआईसी सदस्य लक्ष्मण झा, निर्मल पाणिग्रही, पार्षद बसंती समरथ, पूर्व पार्षद अतुल कौशल, एवं कार्यपालन अभियंता गोपाल भारद्वाज, अजय बनिक, विमल पांडे उपस्थित रहे। निरीक्षण के दौरान दलपत सागर स्थित राम मंदिर के समीप छठ घाट का विशेष रूप से अवलोकन किया गया। इस अवसर पर रितेश सिंह, पंडित विपिन तिवारी, सीमा चौबे, साहू, आदर्श, चौधरी सहित समाज के अन्य प्रतिष्ठित गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। महापौर संजय पांडे ने निगम अधिकारियों एवं कर्मचारियों को घाटों की स्वच्छता और सुरक्षा व्यवस्था को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि छठ पर्व श्रद्धा और स्वच्छता का प्रतीक है, इसलिए सभी घाटों की नियमित सफाई पर विशेष ध्यान दिया जाए। महापौर श्री पाण्डेय ने उपस्थित नागरिकों से अपील की कि तालाब या घाटों में कोई भी व्यक्ति कचरा या प्लास्टिक न फेंके। उन्होंने कहा कि शहर की स्वच्छता बनाए रखना हम सभी की जिम्मेदारी है। साथ ही उन्होंने आग्रह किया कि गीला और सूखा कचरा अलग-अलग रखें एवं निगम के कचरा एकत्र करने वाले वाहनों को ही कचरा सौंपें। महापौर पांडे ने सभी नागरिकों से अपील की कि वे स्वच्छता अभियान में निगम का सहयोग करें और छठ महापर्व को स्वच्छ, सुरक्षित और श्रद्धापूर्ण तरीके से मनाएं। महापौर संजय पाण्डेय की इस पहल ने छठ पर्व मनाने वाले उत्तरप्रदेश बिहार मूल के लोगों का दिल जीत लिया है। लोग कह रहे हैं कि जिस तरह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समाज के सभी वर्गों के हितों और सामुदायिक स्वच्छता का पूरा ध्यान रखते हैं, ठीक वैसे ही कदम हमारे युवा महापौर पाण्डेय उठा रहे हैं।

नशीले पदार्थ बेचते दो आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

जगदलपुर। बस्तर पुलिस ने नशीले पदार्थों के सौदागरों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में धरमसिंह साहू (32) निवासी पनारा पारा, जगदलपुर और शेख मोहम्मद हसन (23) निवासी जयपुर, अम्बागुडा शामिल हैं। पुलिस के मुताबिक, आरोपी धरमसिंह साहू इंडस्ट्रियल एरिया बालाजी फर्नीचर के पास प्रतिबंधित नशीली कैप्सूल और इंजेक्शन एम्पुल बेचने के लिए ग्राहक का इंतजार कर रहा था। मुखबिर सूचना पर पुलिस अधीक्षक शलभ कुमार सिन्हा के निर्देश और वरिष्ठ अधिकारियों की देखरेख में टीम ने कार्रवाई की। जांच में आरोपी ने स्वीकार किया कि उसने अम्बागुडा, जिला कोरापुट स्थित तूफान मेडिकल से नशीली दवाइयां खरीदी थीं। आरोपी के कब्जे से कुल 1,776 नग ट्रामाडोल कैप्सूल (कीमत 16,582 रुपये) और 190 नग पेंटाजोसिन इंजेक्शन एम्पुल (कीमत 7,123 रुपये) जब्त किए गए। निशानदेही पर सप्लायर शेख मोहम्मद हसन को भी गिरफ्तार किया गया। दोनों आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 21सी के तहत मामला दर्ज कर उन्हें न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें जेल भेजा गया। पुलिस अधीक्षक शलभ कुमार सिन्हा ने कहा कि बस्तर पुलिस लगातार अपराधिक तत्वों के खिलाफ कार्रवाई कर रही है और नशे के कारोबार में शामिल लोगों पर कड़ी नजर रखी जा रही है।

किरन्दुल में स्थापित माँ काली की प्रतिमा का किया गया विसर्जन

किरंदुल। किरन्दुल के मल्लप्पा कैंप में बंगीय समाज द्वारा स्थापित माता काली की प्रतिमा का विसर्जन किया गया। बता दें पूजन हवन एवं पुष्पांजलि अर्पित कर नगर भ्रमण करते हुए बाजे गाजे के साथ माँ काली की प्रतिमा बंगाली कैम्प तालाब में विसर्जन की गई। इस दौरान माता की अंतिम दर्शन हेतु बड़ी संख्या में श्रद्धालुगण सड़कों पर खड़े रहे।

प्रधान मंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना आम जनता के लिए वरदान : आकांक्षा गोलू जायसवाल

बलौदाबाजार। जिला बलौदाबाजार- भाटापारा मुख्यालय में नगर भवन बलौदाबाजार में शासन के विभिन्न योजनाओं के प्रचार प्रसार हेतु जिला प्रशासन की ओर से प्रदर्शनी शिविर का आयोजन किया गया था। जिसमे विद्युत विभाग प्रधानमंत्री सुर्य घर मुफ्त बिजली योजना, प्रधान मंत्री आवास योजना, स्वच्छ भारत मिशन, श्रम विभाग एवं अन्य हितग्राही मूलक योजनाओं के प्रदर्शनी का भव्य आयोजन योजनाओं के प्रचाार प्रसार हेतु किया गया था। उक्त कार्यक्रम के निरीक्षण हेतु जिला पंचायत अध्यक्ष आकांक्षा गोलू जायसवाल उपस्थित हुई और विभिन्न योजनाओं की आवश्यक जानकारी प्राप्त किये। उक्त अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष ने विशेष रूप से प्रधान मंत्री सुर्य घर मुफ्त बिजली योजना के संबंध में कहा कि यह योजना प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का सपना है और यह योजना निश्चित रूप से आमजनों के
लिए वरदान साबित होगी। इस योजना के लिए केन्द्र और राज्य दोनों की सहायता प्राप्त हो रहीं है और साथ ही विभिन्न बैंको से फाईनेंस सुविधा भी प्राप्त हो रहीं है। हमे आवश्यकता है कि इस योजना का अधिक से अधिक प्रचार प्रसार करें और इस योजना के लाभ को प्रत्येक ग्राम के अंतिम व्यक्ति तक पहुचाये। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष आकांक्षा गोलू जायसवाल ने सभी को अपील करते हुए कहा की आप सभी अपने घर के छतों में सोलर पैनल लगवाये और पायें अपने बिजली बिल से बचत साथ हि सोलर पैनल लगवाने के विभिन्न फायदों के बारे में लोगों को अवगत करायें।

शिविर में बलौदाबाजार पूर्व विधायक प्रमोद शर्मा, नगर पालिका अध्यक्ष अशोक जैन, मंडल महामंत्री संजय श्रीवाश सभी विभाग के प्रमुख अधिकारी, विभिन्न बैंकों के मैनेजर, पार्षद अमितेश नेताम एवं योजना से जुडे वेंडर व आमजन भी उपस्थित रहें।

संक्षिप्त समाचार

जेल में बंद दो पत्रकारों को ईयू का शीर्ष मानवाधिकार पुरस्कार

मिन्स्क, एजेंसी। यूरोपीय संसद की अध्यक्ष रोबर्टा मेट्सोला ने बुधवार को बेलारूस व जॉर्जिया की जेल में बंद दो पत्रकारों को यूरोपीय संघ का शीर्ष मानवाधिकार सम्मान सखारोव पुरस्कार दिए जाने का एलान किया। मेट्सोला ने फ्रांस के स्ट्रासबर्ग स्थित संसद में कहा, पोलिश अखबार के संवाददाता आंद्रेज पोकजोबुत व जॉर्जिया की वरिष्ठ पत्रकार अमाघ्लोबेली वर्तमान में केवल अपना काम करने और अन्याय के खिलाफ आवाज उठाने के झूठे आरोपों में जेल में हैं।

नेपाल में शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए भारत ने दान कीं 81 स्कूल बसें

काठमांडू, एजेंसी। भारत ने नेपाल के 48 जिलों के कई शैक्षणिक संस्थानों को 81 स्कूल बसें दान की हैं। काठमांडो स्थित भारतीय दूतावास के मुताबिक, नेपाल के बाढ़ प्रभावित कोसी प्रांत के इलम, झापा और उदयपुर सहित 48 जिलों के कई शैक्षणिक संस्थानों को ये बसें दी गई हैं। भारत ने यह दान नेपाल के साथ लंबे वक्त से चली आ रही साझेदारी और मित्रता की वजह से किया। बीते तीन दशकों में भारत ने नेपाल को 381 स्कूल बसें दी हैं।

यूक्रेन ने रूस के सबसे बड़े गैस प्लांट पर कर दिया ड्रोन से हमला, सप्लाई बंद

मास्को, एजेंसी। रूस-यूक्रेन युद्ध शांत होने की जगह भड़कता ही जा रहा है। दक्षिणी रूस में एक प्रमुख गैस प्रसंस्करण संयंत्र पर यूक्रेन ने ड्रोन से हमला कर दिया। इसके कारण कजाकिस्तान से गैस की आपूर्ति अस्थायी रूप से रोक दी गई। रूसी अधिकारियों ने रविवार को इसकी जानकारी दी है। ओरेनबर्ग स्थित यह संयंत्र विश्व के सबसे बड़े गैस उत्पादन और प्रसंस्करण संयंत्रों में से एक है। इसकी वार्षिक क्षमता 45 अरब क्यूबिक मीटर है और यह कजाकिस्तान के कराचगनाक क्षेत्र से गैस कंडेन्सेट को संसाधित करता है। इसे वहां की सरकारी कंपनी गैजप्रोम चलाती है। क्षेत्रीय गवर्नर येवगेनी सोलंतसेव के अनुसार, ड्रोन हमलों से संयंत्र की एक कार्यशाला में आग लग गई और संयंत्र का कुछ हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। कजाक ऊर्जा मंत्रालय ने रविवार को कहा कि गैजप्रोम की सूचना के अनुसार, ड्रोन हमले के कारण संयंत्र अस्थायी रूप से कजाकिस्तान की गैस को संसाधित करने में असमर्थ है। यूक्रेन की जनरल स्टाफ ने बयान में कहा कि ओरेनबर्ग संयंत्र में आग लगी और एक गैस प्रसंस्करण और शोधन इकाई क्षतिग्रस्त हुई। यूक्रेन ने हाल के महीनों में रूसी ऊर्जा सुविधाओं पर हमले तेज कर दिए हैं, जिन्हें वह मास्को के युद्ध प्रयास को वित्तपोषित करने वाला और सीधे समर्थन देने वाला मानता है। अमेरिकी हथियारों के भंडार के संरक्षण की चिंता जताई। यूक्रेनी अभियोजक दावा कर रहे हैं कि रूस नागरिक इलाकों को निशाना बनाने के लिए अपने हवाई निर्देशित बमों को बदल रहा है। खार्किव क्षेत्र में रूस ने नए रॉकेट-संचालित बम यूएमपीबी-5आर का इस्तेमाल किया, जो 130 किलोमीटर तक उड़ सकता है। डोनिप्रोपेत्रोव्स्क क्षेत्र में रूसी ड्रोन हमले में कम से कम 11 लोग घायल हुए और कई इमारतें क्षतिग्रस्त हुईं। रूस ने कोयला खदान पर भी हमला किया, जिसमें 192 खनिक सुरक्षित निकाले गए। यूक्रेनी जनरल स्टाफ ने रूस के समारा क्षेत्र में नोवोकुइबिशेव्स्क तेल रिफाइनरी पर ड्रोन हमले का दावा भी किया। रूसी रक्षा मंत्रालय ने बताया कि उसने रात भर 45 यूक्रेनी ड्रोन मार गिराए।

सिंगापुर में भारत की बेजोड़ स्थापत्य कला का किया गया प्रदर्शन

सिंगापुर, एजेंसी। भारत और सिंगापुर के बीच राजनयिक संबंधों की 60वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में बुधवार को सूरजमुखी प्रदर्शनी का आगाज हुआ। सिंगापुर में भारत के उच्चायुक्त डॉ. शिल्पक अंबुले ने मरिना जलाशय के पास स्थित 105 हेक्टेयर में फैले गार्डन्स बाय द बे में सूरजमुखी की 20 किस्में प्रस्तुत कीं। प्रदर्शनी में जयपुर के ऐतिहासिक इमारतों के मॉडल भी प्रस्तुत किए गए, जो भारत की अद्वितीय स्थापत्य कला का नमूना पेश कर रहे थे।

अब काला सागर में कहीं भी ड्रोन हमले में सक्षम यूक्रेन

कीव, एजेंसी। यूक्रेन ने काला सागर में कहीं भी हमला कर सकने वाले उन्नत ड्रोन विकसित करने का दावा किया है। यह मानवरहित यान कृत्रिम बुद्धिमत्ता की मदद से भारी हथियार ले जा सकता है और लक्ष्य को निशाना बना सकता है। यूक्रेन ने काला सागर में रूसी जहाजों व बुनियादी ढांचों को निशाना बनाने के लिए मानवरहित नौसैनिक ड्रोन का इस्तेमाल किया है। यूक्रेन की सुरक्षा सेवा (एसबीयू) ने सी बेबी नामक मानवरहित यानों से हमले कर रूस को चिंतित कर दिया है। इन यानों की मारक क्षमता 1,000 किमी से बढ़ाकर 1,500 किमी कर दी गई है।

ड्रग्स तस्करों के खिलाफ फिर एक्शन में यूएस, जहाज पर हमले में दो की मौत

वाशिंगटन, एजेंसी।
ड्रग तस्करों पर अमेरिका की लगातार कार्रवाई जारी है। कथित तौर पर अमेरिका ने प्रशांत महासागर में ड्रग ले जा रही एक जहाज पर हमला किया। बताया जा रहा है कि इस हमले में कम से कम दो लोगों की मौत हुई है। इस बात की जानकारी अमेरिकी रक्षामंत्री पीट हेगसेथ ने दी है।

दरअसल, ड्रग्स तस्करों के खिलाफ अमेरिका ताबड़तोड़ एक्शन ले रहा है। इसी कड़ी में ड्रग्स ले जा रही किसी जहाज पर ये आठवां हमला है। यह हमला दक्षिण अमेरिका में मादक पदार्थ की तस्करी पर ट्रंप प्रशासन की कार्रवाई को बढ़ा रहा है।

बता दें कि इससे पहले सात हमले कैरिबियव सी में हुए थे। वहीं, पहली बार मंगलवार को प्रशांत महासागर में किसी ड्रग्स ले जारही जहाज पर हमला हुआ है। अमेरिकी रक्षामंत्री ने बताया कि ड्रग्स तस्करी के खिलाफ एक्शन में मारे गए लोगों की संख्या 34 हो गई है।

जानकारी के अनुसार, कैरिबियन सागर में हुए जहाजों पर पिछले सात हमलों में से मंगलवार को हुआ ये हमला काफी अलग था। सोशल मीडिया पोस्ट में अमेरिकी अधिकारी ने कहा कि इस नए हमले में दो लोगों की जान गई है। इसमें पिछले महीने शुरू हुए हमलो में मरने वालों की संख्या कम से कम 34 हो गई है।

पोस्ट में कहा गया कि यह हमला न केवल नए क्षेत्र में कार्रवाई है, बल्कि यह उस क्षेत्र में हुआ है जहां से दुनिया का अधिकांश कोकीन समुद्री रास्ते से तस्करी कर के बाहर भेजा जाता है। रक्षा मंत्री ने कहा कि जिस तरह अलग-कायदा ने हमारी मातृभूमि पर युद्ध को छेड़ा था, उसी तरह ये कार्टेल हमारी सीमा और हमारे लोगों पर युद्ध छेड़ रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि इस पोस्ट में कहा कि न कोई शरण मिलेगी, न कोई माफी सिर्फ न्याय मिलेगा।

इनामी तालिबानी कमांडर का आसिम मुनीर को खुला चैलेंज

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर को तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान ने खुली धमकी दी है। टीटीपी ने हाल ही में कई वीडियो जारी किए हैं। इनमें उनका एक शीर्ष कमांडर असीम मुनीर को ललकारता नजर आ रहा है।

कमांडर ने कहा है कि पाकिस्तानी सेना अपने सैनिकों को मौत के मुंह में भेजने के बजाय अपने शीर्ष अधिकारियों को युद्ध के मैदान में उतारे। यह धमकी ऐसे समय में आई है, जब टीटीपी के हमलों ने पाकिस्तान की सुरक्षा व्यवस्था की कमजोरियों को उजागर कर दिया है।

8 अक्टूबर को खैबर पख्तूनख्वा के कुर्रम इलाके में टीटीपी ने एक घात लगाकर हमला किया, जिसमें उनके दावे के मुताबिक 22 पाकिस्तानी सैनिक मारे गए। वीडियो में हमले की फुटेज, लूटी गई गोलियां और वाहन भी दिखाए गए हैं। हालांकि, पाकिस्तानी सेना ने इस हमले में केवल 11 सैनिकों के मारे जाने की पुष्टि की है।

टीटीपी कमांडर काजिम की धमकी टीटीपी के एक वरिष्ठ कमांडर ने वीडियो में सीधे आसिम मुनीर को चुनौती दी। काजिम ने कहा, अगर तुम मर्द हो तो सामने आकर लड़ो।

उन्होंने तंज कसते हुए यह भी कहा, अगर तुमने मां का दूध पिया है, तो हमसे मुकाबला करो। इस धमकी के बाद 21 अक्टूबर को पाकिस्तानी अधिकारियों ने काजिम की गिरफ्तारी के लिए 10 करोड़ पाकिस्तानी रुपये के इनाम की घोषणा की।

टीटीपी के वीडियो से पाकिस्तान में हड़कंप मच गया है। जानकारों का मानना है कि इन वीडियो और हमलों का मकसद न केवल सेना का मनोबल तोड़ना है, बल्कि आम जनता में डर पैदा करना भी है। कुर्रम हमले ने यह साफ कर दिया कि टीटीपी अब पहले से कहीं अधिक संगठित और आक्रामक हो गया है।

पाकिस्तान में बद से बदतर होते हालात

पाकिस्तानी मीडिया की रिपोर्ट्स के मुताबिक, टीटीपी की बढ़ती ताकत ने अन्य हिंसक संगठनों को भी प्रेरित किया है। लश्कर-ए-झंगवी और इस्लामिक स्टेट खुरासान प्रोविंस जैसे समूह टीटीपी की गतिविधियों पर नजर रख रहे हैं। ये संगठन पहले भी पाकिस्तान में सांप्रदायिक हिंसा और आतंकी हमलों को अंजाम दे चुके हैं।

उत्तर कोरिया बन गया साइबर अटैक का उस्ताद! क्रिप्टो करेंसी में सेंध मारकर उड़ाए अरबों रुपये

उत्तर कोरिया को हैकिंग में महारत

प्योंगयांग, एजेंसी।
उत्तर कोरिया के हैकर्स ने क्रिप्टोकरेंसी एक्सचेंजों में सेंधमारी और विदेशी कंपनियों में नकली पहचान बनाकर रिमोट टेक नौकरियां हासिल कर अरबों डॉलर की लूट की है।

एक अंतरराष्ट्रीय रिपोर्ट के अनुसार, यह सब उत्तर कोरिया सरकार ने अपने परमाणु हथियारों के अनुसंधान और विकास को फंड देने के लिए किया। यह 138 पेज की रिपोर्ट मल्टीलेटरल सैंक्शंस मॉनिटरिंग टीम ने जारी की है। इसमें अमेरिका और 10 अन्य सहयोगी देश शामिल हैं। यह टीम उत्तर कोरिया के संयुक्त राष्ट्र प्रतिबंधों के पालन की निगरानी के लिए बनाई गई थी।

रिपोर्ट में बताया गया कि उत्तर कोरिया ने क्रिप्टोकरेंसी का इस्तेमाल मनी लॉन्ड्रिंग और सैन्य खरीद के लिए किया, ताकि परमाणु कार्यक्रम से जुड़े अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों को चकमा दे सके। इसके हैकर्स ने विदेशी कंपनियों और संगठनों को निशाना बनाया, मैलवेयर के जरिए उनके नेटवर्क को बाधित किया और संवेदनशील डेटा चुराया।

छोटा और अलग-थलग देश होने के बावजूद उत्तर कोरिया ने साइबर हमलों में भारी निवेश किया है। अब उसकी हैकिंग क्षमता चीन और रूस जैसी ताकतवर देशों के बराबर है। यह विदेशी सरकारों, व्यवसायों और व्यक्तियों के लिए बड़ा खतरा बन गया है। अन्य देशों जैसे चीन, रूस और ईरान से अलग, उत्तर कोरिया अपनी साइबर ताकत का

इस्तेमाल मुख्य रूप से अपनी सरकार को फंड देने के लिए करता है।

रूस और चीन के समर्थन से उत्तर कोरिया के साइबर हमलों ने कंप्यूटर उपकरणों को नष्ट किया, लोगों की जान को खतरे में डाला और निजी संपत्ति को नुकसान पहुंचाया। इसके साथ ही, यह अवैध हथियार और मिसाइल प्रोग्राम को फंड मुहैया कराने में भी इस्तेमाल हुआ। इस मॉनिटरिंग टीम में अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, फ्रांस, जर्मनी, इटली, जापान, नीदरलैंड, न्यूजीलैंड, दक्षिण कोरिया और ब्रिटेन शामिल हैं। इस साल की शुरुआत में, उत्तर कोरिया से जुड़े हैकर्स ने क्रिप्टो एक्सचेंज बायबिट से 1.5 अरब डॉलर की एथेरियम चुराई है। ये अब तक की सबसे बड़ी क्रिप्टो चोरियों में से एक है। एफबीआई ने इस चोरी को उत्तर कोरिया की खुफिया सेवा से जुड़े हैकर्स से जोड़ा। इसके अलावा, अमेरिकी अधिकारियों का कहना है कि अमेरिकी कंपनियों में काम करने वाले हजारों आईटी कर्मचारी वास्तव में नकली पहचान वाले उत्तर कोरियाई थे।

ये कर्मचारी कंपनियों के इंटरनल सिस्टम तक पहुंच बनाकर अपनी तनख्वाह उत्तर कोरियाई सरकार को भेजते थे। कुछ मामलों में वे एक साथ कई रिमोट नौकरियां भी कर रहे थे। उत्तर कोरिया के संयुक्त राष्ट्र मिशन से इस मामले पर कोई जवाब नहीं मिला।

खारकीव में रूसी ड्रोन हमले से किंडरगार्टन तबाह

जेलेंस्की बोले - उन सभी के चेहरे पर थूक जो शांति वार्ता की बात करते...,

खार्किव, एजेंसी। यूक्रेन के दूसरे सबसे बड़े शहर खार्किव में बुधवार को एक रूसी ड्रोन हमले ने तबाही मचा दी. यह हमला सीधे एक किंडरगार्टन पर हुआ, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई और सात लोग घायल हो गए. यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने बताया कि घटना के दौरान इमारत में मौजूद 50 बच्चों को सुरक्षित निकाला गया. इस हमले के बाद यूक्रेन के विदेश मंत्रालय द्वारा साझा किए गए वीडियो में देखा जा सकता है कि बचावकर्मी और पुलिसकर्मी रोते हुए बच्चों को गोद में उठाकर बाहर निकाल रहे हैं, जबकि पीछे से आग और धुएं का गुबार उठ रहा है. वीडियो में आग बुझाने के लिए दमकलकर्मी लगातार प्रयास करते दिखे. मंत्रालय ने कहा कि सभी बच्चों को सुरक्षित रूप से निकालकर शेल्टर में स्थानांतरित कर दिया गया है. जेलेंस्की ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, सभी बच्चों को सुरक्षित निकाल लिया गया है और अब वे शेल्टर में हैं. फिलहाल सात लोग घायल हैं और उन्हें चिकित्सा सहायता दी जा रही है. कई लोग तीव्र तनाव प्रतिक्रिया का सामना कर रहे हैं.

उन्होंने हमले की कड़ी निंदा करते हुए कहा, रूस का यह हमला उन सभी के चेहरे पर थूक है जो शांति वार्ता की बात करते हैं. किंडरगार्टन पर ड्रोन हमला किसी भी तरह से जायजा नहीं ठहराया जा सकता. यह स्पष्ट है कि रूस लगातार अधिक दुस्साहसी होता जा रहा है. इस हमले को लेकर अंतरराष्ट्रीय समुदाय में भी रोष फैल गया है. विशेषज्ञों का कहना है कि रूस का यह कदम युद्ध को और भी क्रूर और अस्थिर दिशा में ले जा सकता है. यह हमला ऐसे समय हुआ है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच प्रस्तावित बुडापेस्ट शिखर सम्मेलन को टाल दिया गया है. ट्रंप ने कहा कि वे बेकार की बैठक नहीं चाहते, खासकर तब जब रूस ने युद्धविराम की किसी भी अपील को खारिज कर दिया है.

फ्रांस के लूव्र म्यूजियम में चोरी हुए 895 करोड़ के शाही गहनों का पता लगाने में जुटे 100 स्पेशल एजेंट

पेरिस, एजेंसी। दुनियाभर में मशहूर पेरिस के लूव्र म्यूजियम में रविवार को चोरी हुई ताज के आठ गहनों के बारे में अब तक कोई जानकारी नहीं मिली है। पेरिस के अभियोजक लॉर बेक्कुओ ने बुधवार को बताया कि चोरी हुई ज्वेलरी की कीमत करीब 895 करोड़ रुपए है। इनमें शाही नीलम का हार, शाही पन्ना का हार और मैचिंग इयररिंग्स, और नेपोलियन 3 की पत्नी महारानी यूजिनी का एक ताज भी शामिल है। बेक्कुओ ने कहा कि यदि चोर इन टुकड़ों को तोड़कर पिघला देते हैं, तो भी इतनी बड़ी रकम में गहने बेचना संभव नहीं होगा। उधर, फ्रांस के गृह मंत्री लॉरेंट न्यूनेज, संस्कृति मंत्री राशिदा दाती और न्याय मंत्री जेराल्ड डार्मनिन ने भी म्यूजियम में बैठक की। बैठक में डार्मनिन ने कहा कि मौके पर पर्याप्त सीसीटीवी भी नहीं थे। वहां अलार्म बजने के बाद भी पुलिस एक्टिव नहीं दिखी। वहीं अभियोजक का मानना है कि इन रत्नों को 'ब्लैक मार्केट' में बेचा जा सकता है। जांच टीम में अब 60 के बजाय 100 स्पेशल एजेंट लगाए गए हैं। टीम खोजबीन कर रही है। लूव्र की सुरक्षा में 1200 गार्ड और 52 से अधिक दमकलकर्मी दो स्तरीय सुरक्षा से घिरे लूव्र में 1,200 गार्ड और सेना के 52 दमकलकर्मी की टीम पहरा देती है। यहां सुरक्षा गार्ड लंबे समय से काम की खराब स्थिति की शिकायत कर रहे हैं।

40 सालों तक अफगानिस्तान में हमारा दखल

इस्लामाबाद, एजेंसी।
पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने एक इंटरव्यू में देश के लंबे समय से चले आ रहे विदेशी हस्तक्षेप की सच्चाई को कबूल किया है. उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि पाकिस्तान ने करीब चार दशकों तक अफगानिस्तान के आंतरिक मामलों में सक्रिय रूप से हस्तक्षेप किया, लेकिन अब यह अध्याय समाप्त हो चुका है. इंटरव्यू में आसिफ ने कहा, हमने पिछले 40 वर्षों में अफगानिस्तान के आंतरिक मामलों में गहरी पैठ बनाई रखी, लेकिन अब हम इस नीति को पूरी तरह त्याग रहे हैं. हमारी कोई व्यक्तिगत शत्रुता नहीं थी; हम केवल बाहरी शक्तियों के इशारों पर काम करते रहे. यह बयान अप्रैल 2025 में दिए गए एक वायरल इंटरव्यू से प्रेरित लगता है, जहां उन्होंने अमेरिका और पश्चिमी देशों के लिए गंदा काम करने की बात स्वीकार की थी. उस समय आसिफ ने

खुलासा किया था कि सोवियत संघ के खिलाफ 1980 के दशक में अफगानिस्तान युद्ध के दौरान पाकिस्तान ने आतंकवादी समूहों को समर्थन दिया, जो वास्तव में अमेरिकी एजेंडे का हिस्सा था. आसिफ का यह नए बयान अफगानिस्तान के साथ तनावपूर्ण संबंधों के बीच आया है. हाल ही में दोनों देशों के बीच सीमा पर झड़पें बढ़ी हैं, जहां पाकिस्तान ने तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के ठिकानों पर हवाई हमले किए. आसिफ ने अरब न्यूज को दिए साक्षात्कार में कहा कि अफगानिस्तान अब भारत का प्रॉक्सी बन गया है और काबुल से पाकिस्तान के खिलाफ साजिश रची जा रही है. उन्होंने चेतावनी दी कि पाकिस्तान अब पुराने रिश्तों को बरकरार नहीं रख सकता और किसी भी आतंकवादी गतिविधि का कड़ा जवाब देगा. क्षेत्रीय विशेषज्ञों का मानना है कि यह स्वीकारोक्ति पाकिस्तान की विदेश नीति में एक बड़ा बदलाव दर्शाती है. लंबे समय से अफगानिस्तान की अस्थिरता में पाकिस्तान की भूमिका पर अमेरिका, भारत और अन्य देश सवाल उठाते रहे हैं. 1980 के दशक से शुरू हुए सोवियत-अफगान युद्ध में पाकिस्तान ने आईएसआई के माध्यम से मुजाहिदीन समूहों को हथियार और प्रशिक्षण दिया, जो बाद में तालिबान और अल-कायदा का रूप ले लिया. 9/11 के बाद भी पाकिस्तान ने अमेरिकी नेतृत्व वाले युद्ध में सहयोग किया,

दस साल बाद हैती में आम चुनाव की तैयारी

संयुक्त राष्ट्र की चेतावनी- समय कम, हिंसा बड़ी चुनौती

पोर्ट-ओ-प्रिंस, एजेंसी। हैती में आम चुनाव होने जा रहे है। हालांकि दूसरी ओर सुरक्षा चिंता भी बढ़ गई है। ऐसे में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने हैती के नेताओं को चेतावनी दी है कि देश में सुरक्षा बहाल करने और आम चुनाव कराने के लिए अब बहुत कम समय बचा है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव के विशेष प्रतिनिधि कार्लोस रुइज मासीउ ने कहा कि परिवर्तन की घड़ी तेजी से चल रही है, लेकिन लोकतांत्रिक शासन बहाल करने की दिशा में अब तक कोई स्पष्ट रास्ता नहीं

दिख रहा है। हैती की अंतरिम राष्ट्रपति परिषद को फरवरी 2026 तक आम चुनाव कराकर सत्ता एक निर्वाचित सरकार को सौंपनी है। बता दें कि लगभग दस साल बाद हैती में आम चुनाव होने जा रहे हैं, लेकिन अभी तक मतदान की तारीख तय नहीं हुई है। देश की अस्थायी चुनाव परिषद ने दस में से नौ प्रांतों में मतदान केंद्रों का आकलन किया है। अब तक 1,309 मतदान केंद्र पहचाने गए हैं जहां करीब 62 लाख मतदाता वोट डालेंगे। पहले चरण के चुनाव पर लगभग 13.7 करोड़ डॉलर (करीब 1,140 करोड़ रुपये) खर्च आने का अनुमान है। हैती के न्याय मंत्रालय के अनुसार, अब तक 220 से ज़्यादा राजनीतिक पार्टियों ने पंजीकरण की प्रक्रिया शुरू कर दी है। हालांकि, चुनावी तैयारियों के बीच गैंग हिंसा लगातार बढ़ रही है। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट के अनुसार, एक जून से 31 अगस्त के बीच 2,123 लोग हिंसा के शिकार हुए। राजधानी पोर्ट-ओ-प्रिंस का करीब 90 इलाका गैंगों के कब्जे में है। अब तक देशभर में 14 लाख से अधिक लोग बेघर हो चुके हैं और अस्थायी शिविरों की संख्या दिसंबर में 142 से बढ़कर 238 हो गई है। पहले छह महीनों में ही 3,100 लोगों की मौत और 1,100 के घायल होने की खबरें आई हैं। अमेरिका के संयुक्त राष्ट्र राजदूत माइक वाल्ट्ज ने कहा कि हैती एक निर्णायक मोड़ पर खड़ा है। अंतरराष्ट्रीय समुदाय को हैती का साथ देना होगा, लेकिन हैती के राजनीतिक और व्यावसायिक वर्ग को भी लोकतंत्र के समर्थन में आगे आना होगा।

ब्रिटेन में पाकिस्तान मूल के किशोर को आजीवन कारावास

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन के शेफील्ड में एक 15 वर्षीय छात्र मोहम्मद उमर खान को अपने ही स्कूल में एक सहपाठी की हत्या करने के आरोप में आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई है। न्यायाधीश नाओमी एलेनबोगेन की कोर्ट से पारित आदेश के मुताबिक 15 साल के किशोर खान को 16 साल जेल की सजा होगी। खान ने 3 फरवरी को ऑल सेंट्स कैथोलिक हाई स्कूल में 15 वर्षीय हार्वी विलगूस को शिकार के चाकू से घोंपकर मार डाला था। पुलिस की जांच में सामने आया कि दोनों के बीच एक सप्ताह पहले झगड़ा हुआ था। घटना के दिन खान ने स्कूल में चाकू लाकर हमला किया। पुलिस ने मौके से उसे गिरफ्तार किया। अदालत ने अपने फैसले में कहा, खान को हथियारों में लंबे समय से रुचि थी और उसने यह सोचकर चाकू रखा था कि इससे वह खुद को सुरक्षित रख पाएगा या उसे स्टेटस मिलेगा। बचाव पक्ष के वकीलों ने अपनी दलीलों में कहा, खान को स्कूल में वर्षों तक बुली किया गया और डर के माहौल ने उसे नियंत्रण खोने पर मजबूर कर दिया। हार्वी की बहन ने अदालत में कहा कि वह बेहद दयालु और हंसमुख था, और उसका खोना उनके परिवार के लिए असहनीय है। सभी दलीलों को सुनने के बाद जज ने कहा कि इस अपराध के कारण कई जिंदगियां तबाह हुई हैं।

फेफड़ों की बीमारी के लिए चुकंदर का रस फायदेमंद!

एक शोध से यह बात सामने आई है कि 12 सप्ताह तक चुकंदर का रस लेने से क्रॉनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज (सीओपीडी) से पीड़ित लोगों में सुधार हुआ है।
सीओपीडी एक गंभीर फेफड़ों की स्थिति है जो दुनिया भर में लगभग 400 मिलियन लोगों को प्रभावित करती है, जिसमें क्रोनिक ब्रोंकाइटिस और वातस्फीति (एम्फाइजिमा) शामिल है, जिससे सांस लेने में कठिनाई होती है और लोगों की शारीरिक गतिविधि की क्षमता गंभीर रूप से सीमित हो जाती है। इससे दिल के दौरे और स्ट्रोक का खतरा भी बढ़ जाता है। यूरोपियन रेस्पिरेटरी जर्नल में प्रकाशित नए शोध में एक केंद्रित चुकंदर के रस के पूरक का परीक्षण किया गया, जिसमें चुकंदर के रस के मुकाबले नाइट्रेट की मात्रा अधिक होती है, जो दिखने और स्वाद में समान था। लेकिन, नाइट्रेट हटा दिया गया था।
इंपीरियल कॉलेज लंदन यूके के प्रोफेसर निकोलस हॉपकिंसन ने कहा, कुछ सबूत हैं कि नाइट्रेट के स्रोत के रूप में चुकंदर के रस का उपयोग एथलीटों द्वारा अपने प्रदर्शन को बेहतर बनाने के लिए किया जा सकता है और साथ ही रक्तचाप को देखते हुए कुछ अल्पकालिक अध्ययन भी किए गए हैं।
हॉपकिंसन ने कहा, रक्त में नाइट्रेट का उच्च स्तर नाइट्रिक ऑक्साइड की उपलब्धता को बढ़ा सकता है, एक रसायन जो रक्त वाहिकाओं को आराम देने में मदद करता है। यह मांसपेशियों की कार्यक्षमता को भी बढ़ाता है यानी समान कार्य करने के लिए उन्हें कम ऑक्सीजन की आवश्यकता होती है। अध्ययन में सीओपीडी वाले 81 लोगों को शामिल किया गया और जिनका सिस्टोलिक रक्तचाप 130 मिलीमीटर पारा (एमएमएचजी) से अधिक था। मरीजों के रक्तचाप की निगरानी करने के साथ-साथ, शोधकर्ताओं ने परीक्षण किया कि अध्ययन की शुरुआत और अंत में मरीज छह मिनट में कितनी दूर तक चल सकते हैं।
प्रतिभागियों को 12 महीने के कोर्स में नाइट्रेट से भरपूर चुकंदर का रस दिया गया और कई रोगियों को बिना नाइट्रेट वाला चुकंदर का रस दिया गया।
शोधकर्ताओं ने पाया कि नाइट्रेट युक्त पूरक लेने वालों ने नाइट्रेट लेने वालों की तुलना में सिस्टोलिक रक्तचाप में 4.5 मिमी/एचजी की औसत कमी का अनुभव किया। नाइट्रेट से भरपूर चुकंदर का जूस पीने वाले मरीज छह मिनट में कितनी दूर तक चल सकते हैं, इसमें भी औसतन लगभग 30 मीटर की वृद्धि हुई। प्रोफेसर हॉपकिंसन ने कहा, अध्ययन के अंत में हमने पाया कि नाइट्रेट युक्त चुकंदर का जूस पीने वाले लोगों का रक्तचाप कम था और उनकी रक्त वाहिकाएं कम कठोर हो गईं। जूस से यह बात भी सामने आई कि सीओपीडी वाले लोग छह मिनट में कितनी दूर तक चल सकते हैं। यह इस क्षेत्र में अब तक के सबसे लंबी अवधि के अध्ययनों में से एक है। परिणाम बहुत आशाजनक हैं, लेकिन इसके लिए दीर्घकालिक अध्ययनों की आवश्यकता होगी।
स्वीडन में कारोलिंस्का इंस्टिट्यूट के प्रोफेसर अपोस्टोलोस बोसियोस ने कहा, सीओपीडी को ठीक नहीं किया जा सकता है, इसलिए मरीजों को इस स्थिति के साथ बेहतर जीवन जीने और उनके हृदय रोग के खतरे को कम करने में मदद करने की सख्त जरूरत है। हालांकि, बोसियोस ने निष्कर्षों की पुष्टि के लिए लंबी अवधि तक रोगियों का अध्ययन करने की आवश्यकता पर बल दिया।

दिल के स्वास्थ्य के लिए अच्छा है अजवाइन

अगर आप वजन कम करना चाहते हैं या कब्ज की समस्या से परेशान हैं, तो आपके लिए अजवाइन का सेवन फायदेमंद है। इसमें कई ऐसे गुण होते हैं, जो आपकी कई शारीरिक समस्याओं का समाधान कर सकते हैं। क्या आप काफी समय से वजन कम करने की कोशिश में लगे हुए हैं और नहीं कर पा रहे हैं या पेट की समस्या से परेशान है, तो ऐसी कई समस्याओं का उपाय, आपके किचन में रखा यह एक मसाला कर सकता है। हम बात कर हैं अजवाइन की, यह एक सबसे सस्ता और फायदेमंद मसाला होने के साथ एक अच्छा फैट बर्नर भी है।

अजवाइन का इस्तेमाल भारतीय रसोई में काफी सालों से किया जा रहा है। इसके सेवन से आप आसानी से वजन कर सकते हैं । यह कई स्वास्थ्य संबंधित फायदे भी देती है, जैसे कि पेट दर्द, गैस और पेट के कई रोगों को भी यह दूर करने में मदद करती है। जिन लोगों को गठिया है, उसके उपचार में भी यह काफी लाभदायक साबित हो सकता है। इसका उपयोग हर्बल औषधि में किया जाता है।

वेट लॉस में मदद करता है

अजवाइन में थाइमोल नामक एक तत्व होता है, जो आपके मेटाबॉलिज्म को बूस्ट करता है। जब आपका मेटाबॉलिज्म बूस्ट होता है, तो नया फैट बन नहीं पता है और पुराना फैट आसानी से बर्न होता है, तो अजवाइन का सेवन इस तरह से वजन कम करने में मदद कर सकता है।

दिल के स्वास्थ्य के लिए अच्छा है

अजवाइन में फाइबर, विटामिन ए और अन्य तरह के पोषण पाए जाते हैं, जो दिल के स्वास्थ्य को सुधार सकती हैं। इस पर हुए शोध में पता चला है कि इसमें एंटीऑक्सीडेंट की भरपूर मात्रा पाई जाती है, जो शरीर में कोलेस्ट्रॉल से लड़ने में काफी सहायक होती है।

दर्द निवारक है

पेट के दर्द में अजवाइन काफी काम आती है, क्योंकि इसमें एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं, जो दर्द को कम करने में मदद करते हैं।दर्द के अलावा यह सूजन को भी कर सकती है। अजवाइन में थाइमोल नामक तत्व होता है, जो एंटी-इन्फ्लेमेटरी और एंटी-ऑक्सीडेंट गुणों के लिए जाना जाता है।

ब्लड प्रेशर कंट्रोल

इसमें मौजूद पोटैशियम और एंटीऑक्सीडेंट्स की मात्रा ब्लड प्रेशर को कंट्रोल में मदद कर सकता है। हाई पोटैशियम डाइट से उच्च ब्लड प्रेशर को नियंत्रित करने में मदद मिलती है।

पाचन स्वास्थ्य के लिए

अजवाइन पाचन को सुधारने में मदद कर सकता है। अगर आपको गैस, एसिडिटी, और कब्ज की समस्या बनी रहती है, तो आपको इसका रोजाना सेवन जरूरी करना चाहिए।

महिलाओं में होने वाले सबसे गंभीर कैंसरों में से एक है सर्वाइकल कैंसर

कैंसर एक बहुत ही खतरनाक बीमारी है। यह कई प्रकार के होते हैं। इन्हीं में से एक है सर्वाइकल कैंसर। यह महिलाओं में होने वाले सबसे गंभीर कैंसरों में से एक है। ब्रेस्ट कैंसर के बाद भारत में इस बीमारी से सबसे ज्यादा महिलाएं पीड़ित है। यह महिलाओं की मौत का एक प्रमुख कारण माना जाता है। इस गंभीर बीमारी के प्रति जागरूकता फैलाने के मकसद से हर साल जनवरी के महीने को सर्वाइकल कैंसर अवेयरनेस मंथ के तौर पर मनाया जाता है। सर्वाइकल कैंसर गर्भाशय ग्रीवा में होता है। इसे गर्भाशय के मुंह का भी कैंसर कहा जाता है। महिलाओं में गर्भाशय और योनि को जोड़ने वाले हिस्से को सर्विक्स कहते हैं। इस वजह से इसमें होने वाले कैंसर को सर्वाइकल कैंसर कहा जाता है। यह कैंसर एचपीवी यानी कि ह्युमन पैपिल्लोमा वायरस के कारण होता है । एचपीवी शरीर में अंदर प्रवेश करके यूटरस के अंदरूनी हिस्से को नुकसान पहुंचता है और धीरे-धीरे कैंसर का रूप ले लेता है। दरअसल इसके लक्षण काफी आम होते हैं जिसकी वजह से अक्सर महिलाएं से नजरअंदाज कर देती हैं। एक्सपर्ट के मुताबिक 30 की उम्र की महिलाओं को सर्वाइकल कैंसर खतरा ज्यादा रहता है। सर्वाइकल कैंसर होने के पीछे कई कारण जिम्मेदार होते हैं, जिसमें से है एक से अधिक साथी के साथ संबंध बनाना, खराब हाइजीन, बर्थ कंट्रोल पिल्स का इस्तेमाल करना, स्मोकिंग और परिवार का इतिहास इस कैंसर के लिए जिम्मेदार हो सकते हैं।

सर्वाइकल कैंसर के बारे में ऐसे चलता है पता

सर्वाइकल कैंसर के लक्षण वैसे दिखाई नहीं देते हैं,लेकिन फिर भी आपको शक है तो इसलिए इसकी स्क्रीनिंग टेस्ट होती है। पैप स्मीयर टेस्ट सबसे महत्वपूर्ण टेस्ट होता है। इसमें गर्भाशय ग्रीवा के ऊतकों का नमूना लिया जाता है। अगर इसमें असामान्य कोशिकाएं मिलती हैं तो एचपीवी टेस्ट की जाती है।इन जांचों से सर्वाइकल कैंसर का पता लगता है। इसके बाद इलाज शुरू किया जाता है।

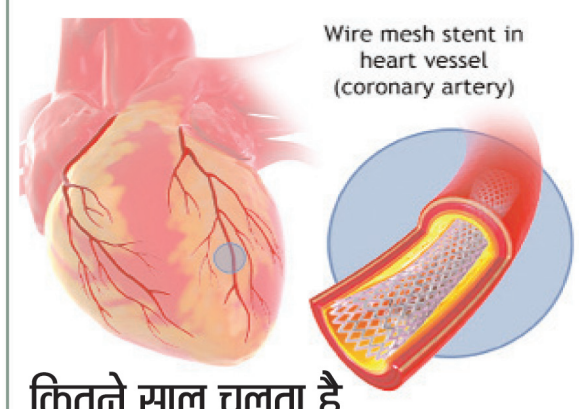

कितने साल चलता है हार्ट का कोरोनरी स्टेंट

कोरोनरी स्टेंट एक तकनीकी उपाय है जिसका उपयोग धमनियों (कोरोनरी आर्टरीज) को खोलने के लिए किया जाता है ताकि रक्त स्वतंत्रता से हृदय में पहुंच सके। इसका उपयोग हृदय संबंधित समस्याओं, जैसे कि दिल का दौरा, कोरोनरी आर्टरी रोग, या अन्य धमनीक बीमारियों के इलाज में किया जाता है। कोरोनरी स्टेंट जिस तकनीकी साधन का उपयोग किया जाता है, वह साधन धातु से बना होता है और धातु की दरबारी विशेषता और रक्त की प्रवाह की गति के आधार पर इसकी जीवनकाल की अधिकतम विशेषता को निर्धारित करती है। कई प्रकार के स्टेंट्स उपलब्ध हैं, जिनमें शास्त्रीय (बेयर-मेटलिक) और ड्रग-एलूटिंग स्टेंट्स शामिल हैं। शास्त्रीय स्टेंट्स का जीवनकाल आमतौर पर कुछ साल से लेकर कई दशक तक हो सकता है, जबकि ड्रग-एलूटिंग स्टेंट्स में शास्त्रीय स्टेंट्स के मुकाबले ड्रगों का उपयोग किया जाता है जो आराम से विघटित होते हैं और उनका प्रभाव अधिक समय तक बना रहता है। यह निर्भर करता है कि रोगी का स्वास्थ्य, सामान्य शारीरिक स्थिति, और स्थानांतरण का उपयोग किस तकनीकी साधन पर किया गया है। आपके चिकित्सक से यह सवाल करना हमेशा उचित होता है।

बार-बार गला खराब होने से हैं परेशान? अपनाएं ये 5 आयुर्वेदिक उपाय

गला खराब होना एक आम समस्या है, खासकर मौसम बदलने पर या ठंडी-गर्म चीजें खाने से। बार-बार गले में खराश, दर्द, खिचखिच या जलन होना हमारी प्रतिरोधक क्षमता के कमजोर होने और गले की नमी कम होने का संकेत है। आयुर्वेद में इसके कई सरल और असरदार उपाय बताए गए हैं, जिन्हें अपनाकर आप तुरंत आराम पा सकते हैं।

गला खराब होने के कारण

- बार-बार ठंडी चीजें खाना
- ज्यादा मसालेदार और तैलीय भोजन
- धूल, प्रदूषण और धुआं
- अधिक बोलना या जोर से चिल्लाना
- पाचन तंत्र की कमजोरी

आयुर्वेदिक उपाय जो देंगे तुरंत राहत

- **गर्म पानी और नमक से गरारे**

आयुर्वेद के अनुसार, गले की खराश और सूजन कम करने के लिए नमक मिले गुनगुने पानी से गरारे करना सबसे आसान और असरदार उपाय है।

- **हल्दी वाला दूध**

सोने से पहले हल्दी मिलाकर गर्म दूध पीना गले की सूजन कम करता है और बैक्टीरिया को नष्ट करता है।

- **शहद और अदरक का सेवन**

शहद में एंटी-बैक्टीरियल गुण और अदरक में एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण पाए जाते हैं। दोनों को मिलाकर खाने से गले में तुरंत आराम मिलता है।

- **मुलेठी का सेवन**

मुलेठी गले की खराश और खिचखिच के लिए रामबाण मानी जाती है। इसे चबाने या पानी में उबालकर पीने से गला तुरंत साफ होता है।

- **तुलसी और काली मिर्च की चाय**

तुलसी की पत्तियां, काली मिर्च और अदरक डालकर बनाई गई चाय गले की खराश और खांसी में बेहद लाभकारी है।

बचाव के लिए जरूरी टिप्स

- ठंडी और फ्रिज की चीजों से बचें।
- धूल और प्रदूषण से बचने के लिए मास्क पहनें।
- ज्यादा बोलने से परहेज करें।
- दिनभर गुनगुना पानी पिएं।

सर्दी में सेहत ना पड़ जाए ठंडी

सर्दियों का मौसम उत्तर भारत में दस्तक दे चुका है। कहते हैं कि सर्दी का मौसम सेहत के नजरिए से बेहतर होता है। ऐसे में हम आपको बता रहे हैं इस मौसम में आपकी डाइट कैसी होनी चाहिए ताकि आप भी सर्दी में अपनी सेहत बेहतर बना सकें और सर्दियों को एंजॉय कर सकें।

आमतौर पर हम गर्मियों में कम खाना खाते हैं तो उसकी तुलना में सर्दियों में भूख में भी इजाफा होता है। सर्दियों में शरीर से मेहनत भी कम होती है। खासकर इस मौसम में सभी को अपनी हेल्थ का ख्याल रखना काफी जरूरी है। यहां हम आपको बता रहे हैं कि सर्दियों के मौसम में किस प्रकार से अपना ख्याल रखा जाता है और किन-किन सावधानियों को ध्यान में रखा जाता है। अपनी डाइट का इस तरह रखें खास ख्याल सर्दियों के मौसम में खानपान का खास ख्याल रखना काफी ज्यादा जरूरी हो जाता है। क्योंकि इस मौसम में शरीर में कई प्रकार की बीमारियां भी लगने का खतरा बना रहता है। इस बारे में डॉक्टर बताते हैं कि सर्दियां आते ही सिट्रस या विटामिन सी युक्त पदार्थों के सेवन पर ध्यान दें। इसके लिए संतरा, नींबू, आंवला आदि में से कोई एक दिन में जरूर खाएं। इससे इम्युनिटी बढ़ाने में मदद मिलेगी और सर्दी खांसी आदि से भी बचाव होगा। विटामिन डी के सेवन का भी ध्यान रखें व धूप में भी वक्त बिताएं। इसके अलावा भोजन में हल्दी, अदरक व लहसून की मात्रा जोड़ें। इसके लिए व्यंजनों में पिसा अदरक जोड़ा जा सकता है और सलाद में ऊपर से कद्दूकस करके भी डाला जा सकता है।

वजन कम करने में मदद करते हैं ये फूड

वहीं एक्सपर्ट का कहना है कि अगर आप साबुत अनाज, दलिया आदि का सेवन करते हैं तो ये वजन कम करने में भी असरदार हैं और दिल के लिए भी फायदेमंद साबित होते हैं। इस मौसम में सब्जियों और फलों का भरपूर सेवन करना चाहिए। इस मौसम में फाइड और सैचुरेटेड फूड्स का उपयोग नहीं करना चाहिए।

खाने के आधे घंटे बाद पीएं पानी

वैसे तो गर्मियों की तुलना में सर्दियों में कम पानी पिया जाता है, लेकिन इस मौसम में आवश्यक मात्रा में पानी पीना चाहिए। याद रखें कि पानी खाना खाने के तुरंत बाद ना लेकर आधे घंटे के अंतराल पर पीएं। वहीं, अगर आप इस मौसम में हर्बल-टी पीते हैं, तो इससे एलडीएल कोलेस्ट्रॉल और ट्राइग्लिसराइड का लेवल भी डाउन होता है।

एक्सरसाइज करना है जरूरी

अगर आप अपनी बॉडी फिट रखना चाहते हैं, तो इसके लिए सर्दियों से अच्छा मौसम और कोई नहीं हो सकता है। इस दौरान आप अपने वजन को कंट्रोल करें। बॉडी को फिट रखने के लिए रेगुलर एक्सरसाइज कीजिए। अगर आप जिम में जाकर एक्सरसाइज नहीं कर पा रहे हैं तो रोजाना वॉक पर जाएं। चलने से शरीर में गर्मी पैदा होती है और इससे खून का दौरा बढ़ता है। सर्दियों के मौसम में ब्लड शुगर और कोलेस्ट्रोल को कंट्रोल करना चाहिए। इस मौसम में नमक का कम मात्रा में सेवन करना चाहिए क्योंकि अधिक नमक का सेवन करने से दिल की बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है।

नींद लें पूरी, गर्म चीजों का करें सेवन

सर्दियों के मौसम में ठंड से बचाव के लिए खुद को गर्म कपड़ों से कवर रखना चाहिए। इस दौरान पैर, सिर और कानों को खासतौर से ढककर रखना चाहिए। सर्दियों में कम से कम 6 से 8 घंटे की नींद लेनी चाहिए। ठंड के मौसम में शरीर को ठंड से बचाने के लिए जैसे गर्म कपड़ों का इस्तेमाल किया जाता है, ठीक इसी प्रकार से गर्म चीजों का सेवन भी किया जाता है। इस दौरान स्किन सूखने लग जाती और फटने भी लगती है तो इसके लिए ऑयल या बॉडी लोशन का उपयोग कर सकते हैं।

गांव के बच्चे विदेशों में कर रहे हैं नाम रोशन, 23 वर्षों से जारी है सम्मान समारोह की परंप

कर्मचारी संगठन रवेली ने प्रतिभावान बच्चों का किया सम्मान

दुर्ग। कर्मचारी संगठन रवेली द्वारा भाईदूज मातर महोत्सव के शुभ अवसर पर आयोजित वार्षिक सम्मान समारोह में गांव के प्रतिभावान बच्चों का सम्मान किया गया। संगठन पिछले 23 वर्षों से निरंतर इस आयोजन को सफलतापूर्वक कर रहा है। गांव के अनेक होनहार बच्चे आज देश-विदेश में अपनी प्रतिभा के बल पर गांव का नाम रोशन कर रहे हैं। इस अवसर पर डॉ. सौम्या वर्मा को प्रथम प्रयास में नीट-पीजी परीक्षा में सफलता प्राप्त करने पर सम्मानित किया गया। वे वर्तमान में शासकीय गांधी मेडिकल कॉलेज में एम.डी. मेडिसिन की पढ़ाई कर रही हैं। इसी तरह नूतन साहू को 10वी CG बोर्ड में 500 अंक, प्रीति साहू को 10वी टीवीबोर्ड 461 अंक, अंजू को 461, नेहा वर्मा को 10वीं बोर्ड में 497, शिवांगी वर्मा 12वीं बोर्ड में 410, मयंक वर्मा को 12वीं सीबीएसई में 526,तनय वर्मा 10वीं सीबीएसई में 572 अंक अर्जित करने पर सम्मानित किया गया।प्रथम बार सेवा में नियुक्त दिलेश्वर प्रसाद कश्यप, हर्ष वर्मा को भी अतिथियों के द्वारा सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन के संयोजक कमल वर्मा ने की। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि पिछले 23 वर्षों में रवेली गांव के बच्चों ने शिक्षा, प्रशासन, तकनीक और विदेशों में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। संगठन के शासन के अधीन पंजीकृत होने से हमें और मजबूती मिली है। भविष्य में संगठन शासन के सहयोग से बेरोजगार युवाओं के लिए रोजगार मूलक कार्यशालाएं आयोजित करेगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रविशंकर वर्मा थे। अतिविशिष्ट अतिथि के रूप में चेलाराम नायक, छन्नूलाल वर्मा एवं अंगीरा वर्मा उपस्थित रहे। संगठन के सचिव राजकुमार वर्मा ने कायक्रम को सफल बनाने में ग्रामीणों और सदस्यों के सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. धर्मपाल वर्मा एवं राजेश वर्मा ने किया। सम्मान समारोह के पश्चात सांस्कृतिक मंच 'लोकधारा' द्वारा रंगारंग लोकसांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया, जिसका आनंद बड़ी संख्या में उपस्थित ग्रामीणों ने उठाया। कार्यक्रम में विशेष रूप से कौशल वर्मा, प्रमोद वर्मा, डीलेश वर्मा कोषाध्यक्ष, जन्मेजय वर्मा, जयंत वर्मा, संतोष वर्मा, विजय वर्मा, हेमशंकर वर्मा, देवेंद्र नायक, धनंजय वर्मा, अशोक चंद्राकर, रामप्यारे वर्मा, टोमन साहू, भुनेश्वरी साहू सहित अनेक गणमान्य उपस्थित रहे।

आवास योजना (ग्रामीण) के अपात्र हितग्राहियों से दावा आपत्ति आमंत्रित

31 अक्टूबर 2025 शाम 5.30 बजे तक लगा सकेंगे आपत्ति

दुर्ग। कलेक्टर अभिजीत सिंह के निर्देशानुसार पीएम आवास योजना (ग्रामीण) अंतर्गत जिले की स्थायी प्रतीक्षा सूची, आवास प्लस की सूची व मुख्यमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) की सूची के ऐसे हितग्राहियों जो विभिन्न कारणों से अपात्र हैं तथा जिन्हें योजना के नियमानुसार लाभान्वित किया जाना संभव नहीं है, उनकी सूची संबंधित ग्राम सभा तथा जिला स्तरीय अपीलीय समिति से अनुमोदन कराने के पश्चात् विलोपित किया जाना है। जिला पंचायत दुर्ग के मुख्य कार्यपालन अधिकारी बजरंग कुमार दुबे से प्राप्त जानकारी के अनुसार जिले के प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2024-25 एवं 2025-26 की स्थायी प्रतीक्षा सूची के 987, आवास प्लस की सूची के 1403 एवं मुख्यमंत्री आवास योजना ग्रामीण की सूची के 225 इस प्रकार कुल 2615 अपात्र हितग्राहियों की सूची का संबंधित ग्रामसभा एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जनपद पंचायत द्वारा प्राप्त प्रतिवेदन उपरांत जिला स्तरीय अपीलीय समिति के अनुमोदन प्राप्त करते हुए दावा आपत्ति हेतु प्रकाशन किया जा रहा है। जिसका अवलोकन जिले के सभी ग्राम पंचायत भवन व जिले की आधिकारिक वेबसाईट https://durg.cg.gov.in एवं जिला पंचायत दुर्ग की आधिकारिक वेबसाईट zpdurg.com में किया जा सकता है। दावा आपत्ति प्रस्तुत करने हेतु स्थल जिला पंचायत दुर्ग के प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण शाखा प्रथम तल एवं जि.पं. की आवक-जावक शाखा में साधारण डाक।

नेवई भाटा सामुदायिक भवन में 35 बच्चों ने लिया पहला प्रशिक्षण

दुर्ग पुलिस का ऑपरेशन विश्वास नशे के खिलाफ वैलनेस शिविर का शुभारंभ

दुर्ग। नशे के विरुद्ध दुर्ग पुलिस द्वारा संचालित ऑपरेशन विश्वास अभियान के तहत थाना नेवई क्षेत्र के सामुदायिक भवन नेवई भाटा में नशा मुक्ति वैलनेस शिविर का शुभारंभ किया गया। यह शिविर 24 अक्टूबर से 30 अक्टूबर 2025 तक आयोजित किया जा रहा है। शिविर का आयोजन दुर्ग पुलिस एवं आर्ट ऑफ लिविंग संस्था के संयुक्त तत्वावधान में किया गया है।35 बच्चों ने दिखाई भागीदारी- शिविर के पहले बैच में नेवई क्षेत्र के 35 बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। आर्ट ऑफलिविंग से आए प्रशिक्षक अमन बेल चंदन एवं उनकी टीम ने उपस्थित बच्चों को योग, ध्यान, मेडिटेशन एवं नशा मुक्ति से जुड़ी सकारात्मक गतिविधियों की जानकारी दी। बच्चों के बीच विभिन्न खेलकूद गतिविधियों का आयोजन भी किया गया, जिससे वे उत्साह और आनंद से झूम उठे। नशे के दुष्प्रभावों पर दी गई जानकारी- शिविर के दौरान प्रशिक्षकों एवं पुलिस अधिकारियों ने बच्चों को नशे के खतरों और इसके दुष्प्रभावों के बारे में बताया। बच्चों को यह समझाया गया कि नशा व्यक्ति के शारीरिक, मानसिक और सामाजिक जीवन को किस प्रकार प्रभावित करता है तथा इससे दूर रहना क्यों आवश्यक है। वरिष्ठ अधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति- इस अवसर पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल,अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुखनंदन राठौर,अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पद्मश्री तंवर,उप पुलिस अधीक्षक भारती मरकाम,थाना प्रभारी नेवई, तथारक्षा टीम प्रभारी उप निरीक्षक संगीता मिश्रा सहित पुलिस विभाग के कई अधिकारी उपस्थित रहे। बच्चों में दिखा उत्साह और जागरूकता- शिविर में भाग लेने वाले बच्चों ने कहा कि उन्हें पहली बार योग, ध्यान और नशा मुक्ति से संबंधित इतनी उपयोगी बातें सीखने को मिलीं। शिविर का उद्देश्य नशे से दूर रहकर स्वस्थ, अनुशासित और सकारात्मक जीवन की ओर प्रेरित करना है। दुर्ग पुलिस का यह प्रयास समाज में नशा मुक्त वातावरण निर्माण की दिशा में एक सराहनीय कदम है।

सूर्या मॉल में महिला से छेड़छाड़, पुलिस से की मारपीट, पाँच आरोपी गिरफ्तार

भिलाई पुलिस की त्वरित कार्रवाई, सभी आरोपियों को भेजा गया जेल

भिलाई। सूर्या ट्रेजर मॉल में एक महिला के साथ छेड़छाड़ करने और विरोध करने पर महिला के पति-बेटे सहित मौके पर पहुंचे पुलिस कर्मचारियों से मारपीट करने वाले पाँच आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों के खिलाफ दो अलग-अलग अपराध दर्ज कर उन्हें न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है। मॉल में फिल्म देखने गई थी महिला, विरोध पर भड़के आरोपी-प्रार्थिया ने स्मृतिनगर चौकी में रिपोर्ट दर्ज कराई कि दिनांक 22 अक्टूबर 2025 को वह अपने परिवार के साथ सूर्या ट्रेजर मॉल स्थित पीवीआर सिनेमा में फिल्म देखने गई थी। इसी दौरान आरोपी सुजीत साव ने महिला के साथ बेइज्जती की नीयत से छेड़छाड़ की। जब महिला के पति और बेटे ने विरोध किया तो सुजीत साव ने अपने अन्य साथी एवं रिश्तेदारों को मौके पर बुला लिया। इसके बाद आरोपियों ने महिला के पति और बेटे के साथ मारपीट शुरू कर दी। बीच-बचाव करने पहुंचे पुलिसकर्मियों से भी की हाथापाई-सूचना मिलते ही स्मृतिनगर पुलिस पेट्रोलिंग टीम मौके पर पहुंची और दोनों पक्षों को शांत कराने का प्रयास किया। लेकिन इसी दौरान आरोपी सुजीत साव और उसके रिश्तेदारों शिवपूजन कुमार, जिगर साव, सुजीत कुमार और दिनेश कुमार साव ने पुलिस कर्मचारियों के साथ भी मारपीट करते हुए शासकीय कार्य में बाधा उत्पन्न की। दो अलग-अलग अपराध दर्ज – सभी आरोपी जेल भेजे गए- पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मामले में दो अपराध पंजीबद्ध किए –अपराध क्रमांक 1273/2025 : महिला से छेड़छाड़ और मारपीट से संबंधित (धारा 74, 121, 191, 351(3), 115(2), 221, 132 बीएनएस) अपराध क्रमांक 1275/2025 : शासकीय कार्य में बाधा और पुलिस से मारपीट से संबंधित (धारा 121, 221, 132, 191 बीएनएस) थाना सुपेला प्रभारी निरीक्षक विजय कुमार यादव और चौकी स्मृतिनगर प्रभारी उप निरीक्षक गुरूविन्दर सिंह संधु के नेतृत्व में टीम ने सभी आरोपियों को गिरफ्तार किया।

मुख्य आरोपी सुजीत साव (49 वर्ष) सहित उसके साथियों – सुजीत कुमार (32 वर्ष), शिवपूजन कुमार (20 वर्ष), सागर साव (29 वर्ष) और जिगर साव (28 वर्ष) – से पूछताछ के बाद उन्हें न्यायालय में प्रस्तुत किया गया, जहाँ से सभी को न्यायिक अभिरक्षा में केंद्रीय जेल दुर्ग भेज दिया गया। पुलिस टीम का सराहनीय योगदान- इस कार्रवाई में निरीक्षक विजय कुमार यादव, उप निरीक्षक गुरूविन्दर सिंह संधु, प्रआर 134 जितेन्द्र कुशवाहा, आरक्षक अशीष सिंह, कमल नारायण, अनिकेत चन्द्राकर, और सत्यानारायण सिन्हा का उल्लेखनीय योगदान रहा। पुलिस का कहना है कि इस तरह की घटनाओं में दोषियों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी ताकि कानून व्यवस्था और सार्वजनिक मर्यादा बनी रहे।

माता कौशल्या की जन्मभूमि कोसला में भव्य दीपोत्सव का आयोजन

हजारों पवित्र दीपों से जगमगाया कौसल्या मंदिर परिसर , उमड़ी दर्शनाथी

शिवरीनारायण। दीपावली के पावन पर्व पर अयोध्या धाम की तरह माता कौसल्या जन्मभूमि एवं राम की ननिहाल कोसला धाम में भी मंदिर समिति के पदाधिकारियों, ग्रामवासियों एवं दूर दूर से आए श्रद्धालु-भक्तजनों द्वारा हजारों पवित्र दीप जलाकर दिवाली मनाई व एक दूसरे को दीपोत्सव की बधाई व शुभकामनाएं दी। मंदिर समिति के पदाधिकारियों एवं भक्तों ने इसकी कई दिनों से तैयारी कर रखी थी, दीपावली की रात कौसल्या-महामाया मंदिर का परिसर पवित्र दीपों से जगमगा उठा, मंदिर जाने वाले सड़क से मंदिर के चारों ओर बाउंड्री वॉल एवं छतों में हजारों दीपों की रोशनी से पूरे मंदिर क्षेत्र को सजाया गया था। जिससे मंदिर का दृश्य अद्भुत, अलौकिक, भव्य, दिव्य और आकर्षक दिखाई दे रहा था। मंदिर समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि प्रतिवर्ष दिपावली पर इसी तरह मंदिर में हजारों पवित्र दीप प्रज्ज्वलित करते आ रहे हैं। कौसल्या जन्मभूमि 'कोसला' जांजगीर-चांपा जिले के पामगढ़ तहसील मुख्यालय से पूर्वोत्तर 5 किलोमीटर दूर स्थित है। ऐतिहासिक किताबें, पत्र-पत्रिका एवं इतिहासकारों के अनेक लेखों में कोसला गांव भगवान राम का ननीहाल व माता कौसल्या का जन्म स्थान प्रकाशित है। और यहां माता कौसल्या का दो मंदिर स्थापित है जिसमें एक प्राचीन मंदिर है और कुछ वर्ष पूर्व माता कौसल्या जी का दूसरा नयनाभिराम मंदिर का निर्माण कर ग्राम वासियों ने किया है। ये दोनों मंदिर एक प्राचीन गढ़ में निर्मित है, जिसके चारों ओर गहरी खाई आज भी मौजूद है, मंदिर से जुड़े हुए लोगों की बड़ी गहरी आस्था है, दूर-दूर से भक्तगण यहां दर्शन करने पहुंचते हैं। वर्ष में नवरात्रि पर्व चैत्र एवं कुंवार महिने में भक्तों द्वारा यहां मनोकामना ज्योति कलश प्रज्वलित की जाती है। माता कौसल्या की पावन मंदिर परिसर में दीपोत्सव के आयोजन अवसर पर समिति के पदाधिकारी एवं सदस्य आनंद सिंह कंवर, अशोक साहू, प्रेमलाल धीवर, मनीलाल, सीताराम पटेल, विनोद कश्यप, गौरव तिवारी, हुलेश साहू, संतोष पटेल, प्रभाकर साहू, तेजराम कश्यप, आर्यन साहू, बसंत साहू, गुलाब चंद पटेल, मोहन कंवर एवं दूर-दूर से आए श्रद्धालु नर-नारी, युवा,बच्चे-बूढ़े सहित काफी संख्या में श्रद्धालु भक्तजन उपस्थित थे।

प्रेम प्रसंग के चलते युवक की हत्याः युवती के भाई और दोस्तों ने उतारा मौत के घाट, दुर्ग पुलिस ने किया अंधे कत्ल का खुलासा

दुर्ग/रानीतराई। दुर्ग पुलिस ने प्रेम प्रसंग से जुड़ी एक अंधे कत्ल की गुत्थी सुलझाते हुए मात्र कुछ ही दिनों में पाँच आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। मामला रानीतराई थाना क्षेत्र के ग्राम खर्रा का है, जहाँ प्रेम संबंध के कारण युवक की चाकू मारकर हत्या कर दी गई थी। प्रार्थी विजय साहू (34 वर्ष), निवासी ग्राम लोहार पचरा, जिला धमतरी ने थाना रानीतराई में रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह अपने ससुराल ग्राम खर्रा मातर त्योहार मनाने आया था। रात में भोजन के बाद वह सो गया था। रात लगभग 2:30 बजे, उसकी साली सबिना साहू ने आकर बताया कि भाई खूबीराम साहू पर किसी अज्ञात व्यक्ति ने चाकू से हमला कर दिया है। विजय साहू तत्काल मौके पर पहुँचा और घायल खूबीराम को अस्पताल ले गया, जहाँ उपचार के दौरान उसकी मृत्यु हो गई। इस पर पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के विरुद्ध अपराध बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर विवेचना प्रारंभ की। प्रेम प्रसंग बना हत्या की वजह-जांच में यह सामने आया कि मृतक खूबीराम साहू (ग्राम रेंगाकठौरा निवासी) का ग्राम खर्रा की एक युवती से प्रेम संबंध था। मातर कार्यक्रम के बहाने वह युवती से मिलने ग्राम खर्रा आया हुआ था। इसकी भनक युवती के भाई सौरभ यादव उर्फ योगेश्वर को लग गई। उसने अपने दोस्तों आशीष, मनीष, आकाश भारती उर्फ बाटूल और सन्नी के साथ मिलकर योजना बनाई और देर रात खूबीराम पर धारदार चाकू से हमला कर दिया। हमले में खूबीराम को गंभीर चोटें आई, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। आरोपी गिरफ्तार, चाकू बरामद- पुलिस ने घटना के बाद तत्काल विशेष टीम गठित कर आरोपियों की पतासाजी शुरू की। सघन तलाशी के बाद पुलिस ने सभी पाँच आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया और घटना में प्रयुक्त धारदार चाकू भी जप्त कर लिया है।

मामले की आगे की विवेचना जारी है। गिरफ्तार आरोपी-1. सौरभ यादव उर्फ योगेश्वर (23 वर्ष) ग्राम खर्रा 2. आशीष साहू (19 वर्ष) ग्राम खर्रा 3. मनीष यादव (22 वर्ष) ग्राम तेलीगुंडरा 4. सन्नी ढीमर (19 वर्ष) ग्राम तेलीगुंडरा 5. आकाश भारती (18 वर्ष) टिकरापारा, रायपुर पुलिस का बयान-पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मामला संवेदनशील था और प्रेम प्रसंग से जुड़ा हुआ था। आरोपी युवती का भाई और उसके मित्र हैं। सभी को गिरफ्तार कर लिया गया है और आगे की विवेचना की जा रही है।

कलेक्टर ने छठ पर्व, पीएम आवास एवं राज्योत्सव के संबंध में ली अधिकारियों की बैठक

दुर्ग। कलेक्टर अभिजीत सिंह ने कलेक्टोरेट सभाकक्ष में नगरीय निकाय और जनपद पंचायत के अधिकारियों की बैठक में छठ पर्व की तैयारी, पीएम आवास हेतु राशि आवंटन और राज्योत्सव के तैयारियों की समीक्षा की।

साथ ही आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। उन्होंने आगामी छठ पर्व को ध्यान में रखते हुए सभी नगरीय निकायों में तालाबों की साफ-सफाई करने और छठ घाट पर प्रकाश आदि की समुचित प्रबंध करने अधिकारियों को निर्देशित किया। कलेक्टर ने कहा कि छठ पर्व पर स्नान स्थल में सुरक्षा का भी पुख्ता प्रबंध किया जाए। कलेक्टर ने कहा कि पीएम आवास योजना अंतर्गत मैपिंग कर एफटी.ओ. राशि 31 अक्टूबर तक जारी हो जाए, अधिकारी यह सुनिश्चित करें। नगरीय निकायों में पात्र हितग्राही पीएम आवास से वंचित न हो, इस हेतु डोर-टू-डोर सर्वे कर पूरक प्रस्ताव स्वीकृति हेतु शासन को भेजी जाए।

बैठक में राज्योत्सव के संबंध में विस्तारपूर्वक चर्चा की गई, इस हेतु अधिकारियों को सौंपे गये दायित्व समय पर पूर्ण कर लेने के निर्देश दिये गये। बैठक में जिला पंचायत के सीईओ बजरंग दुबे, नगर निगम भिलाई के आयुक्त राजीव पाण्डेय, ए.एस.पी. ऋचा मिश्रा, सभी एसडीएम, सभी जनपद सीईओ एवं नगरीय निकायों के अधिकारी उपस्थित थे।

दुर्ग पुलिस की सख्त कार्रवाई, असामाजिक तत्वों और चाकूबाजों पर कसी नकेल

06 आरोपी गिरफ्तार, धारदार हथियार चाकू और चापड़ बरामद, सभी आरोपी जेल दाखिल

दुर्ग। जिले में सुरक्षा और शांति व्यवस्था बनाए रखने तथा चाकूबाजी की घटनाओं पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से दुर्ग पुलिस ने असामाजिक तत्वों, उपद्रवियों और धारदार हथियार लेकर लोगों को डराने-धमकाने वालों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने विभिन्न थाना क्षेत्रों में अभियान चलाकर 06 आरोपियों को गिरफ्तार कर धारदार हथियार चाकू और चापड़ जब्त किए हैं। सभी आरोपियों के खिलाफ धारा 25-27 आर्म्स एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा गया है। थाना सुपेला की कार्रवाई-थाना सुपेला क्षेत्र के कोसा नगर मराठी मोहल्ला, आर.के. मैदान स्लॉटर हाउस के पास एवं राजीव नगर क्षेत्र मेंआरोपी मोहम्मद रियाज खान उर्फ छोटू, भोला गायकवाड़ एवं रोशन यादव धारदार चाकू-चापड़ लेकर लोगों को डराते धमकाते पाए गए।तीनों को मौके पर गिरफ्तार कर उनके कब्जे से धारदार हथियार बरामद किए गए और आर्म्स एक्ट के तहत जेल भेजा गया। थाना वैशाली नगर की कार्रवाई-थाना वैशाली नगर क्षेत्र में आरोपी किशन यादव एवं शेख आरिफ (निगरानी बदमाश) को धारदार चाकू लेकर लोगों को धमकाने के आरोप में गिरफ्तार किया गया। दोनों के कब्जे से चाकू जब्त कर उन्हें आर्म्स एक्ट की धारा 25-27 के तहत जेल दाखिल किया गया। थाना अण्डा की कार्रवाई- थाना अण्डा क्षेत्र के ग्राम निकुम में आरोपी डोमेन्द्र कुमार शेण्डे को धारदार हथियार लेकर लोगों को धमकाते हुए पकड़ा गया। आरोपी से हथियार जब्त कर उसे भी न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा गया। असामाजिक तत्वों पर बीएनएसएस की कार्यवाही- शांति और सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस ने 20 प्रकरणों में 32 असामाजिक तत्वों के विरुद्ध धारा 170 बीएनएसएस के तहत कार्रवाई की है। इनमें– उतई से 9,पद्मनाभपुर से 5,अंजोरा और नंदिनी नगर से 4-4, मोहन नगर और खुर्सीपार से 2-2,नगपुरा, भिलाई नगर, नेवई, स्मृतिनगर, रानीतराई और अण्डा से 1-1 आरोपी शामिल हैं।सभी को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। Email : loktantraprahrinews@gmail.com